हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–226 : जौनपुर, बुधवार 15 दिसंबर 2021 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

किसान आंदोलन में फतेह मार्च निकालकर घरों की ओर लौटे किसान

गाजियाबाद ब्यूरो : गाजियाबाद के यूपी गेट पर आंदोलनकारी किसानों ने आज सुबह हवन और पूजा पाठ कर अपने घर वापसी की तैयारी शुरू कर दी। किसानों ने यूपी गेट से फतेह मार्च निकालने से पहले हवन में आहुति दी जिस दौरान किसान नेता गौरव टिकैत, मीडिया प्रभारी शमशेर राणा होशियार सिंह और अन्य किसान मौजूद रहे। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत भी गाजीपुर बॉर्डर पहुंचे जिन्होंने किसानों फतेह मार्च का नेतृत्व किया और मुजफ्फरनगर के लिए रवाना हो गए। हवन संपन्न होने के बाद किसानों ने अपने सामान तैयार किए और एक–दूसरे से मिलकर विदा हो गए। फतेह मार्च निकालने से पहले किसानों ने देशभक्ति गीतों पर भी डांस किया। यहां हर किसी के मन में खुशी और गम दोनों के भाव दिखाई दिए। एक साल तक यहां रहकर लोगों को एक लगाव सा हो गया था जिसके चलते जाते वक्त कई लोग रोते भी दिखे। मुजफ्फरनगर तक निकलेगा फतेह मार्च। तय कार्यक्रम के अनुसार यूपी गेट से किसान गाड़ी और ट्रैक्टर–ट्रॉली के साथ मुजफ्फरनगर किसान भवन सिसौली तक फतेह मार्च निकाला गया है जो गाजियाबाद से रवाना हो चुका है। किसानों के जाने के बाद पुलिस ने यहां सफाई अभियान शुरू कर दिया है जिसके बाद यह रोड सुचारु रूप से चालू हो जाएगी। भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत ने सोशल मीडिया पर किसानों से यूपी गेट पर पहुंचने का आह्वान मंगलवार को ही किया था। वहीं, यूपी गेट आंदोलन स्थल से मंगलवार को ही भाकियू के भी अधिकांश तंबू व टेंट हट गए हैं। आज खाली हो जाएगा गाजीपुर बॉर्डर। प्रदेश अध्यक्ष राजबीर सिंह जादौन ने बताया कि 15 दिसंबर तक यूपी गेट, दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे, एनएच–9 की सड़कें पूरी तरह से खाली हो गई हैं। अधिकांश किसान यहां से घर लौट चुके हैं। कई किसान जाते समय काफी भावुक हुए तो कुछ जाने को तैयार नहीं थे। आज 100–150 से ज्यादा किसान आंदोलन स्थल पर थे जो फतेह मार्च के साथ अपने घरों की ओर लौट गए। किसानों में खुशी है कि सरकार ने तीन कृषि कानूनों को वापस ले लिया। मगर कुछ दिनों बाद ही अन्नदाता एक जनवरी से सरकार से

अपनी आय दो गुना होने के बारे में सवाल पूछेगा, क्योंकि सरकार ने पूर्व में भरोसा दिया था कि वर्ष 2022 से किसानों की आय दोगुना हो जाएगी। यह होगा रूट। मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र मलिक ने बताया कि फतेह मार्च में गाजियाबाद, हापुड़, मोदीनगर मुरादनगर, मेरठ, खतौली और अन्य जगहों के किसान शामिल होंगे। इसके लिए यूपी गेट से निकलने के बाद यह मार्च सबसे पहले मोदीनगर में कुछ देर रुकेगा। इसके बाद मेरठ पहुंचेगा। यहां किसान नेता राकेश टिकैत और अन्नदाता आराम करने के बाद खतौली के लिए रवाना होंगे। वहां से मंसूरपुर होते हुए सौरम चौपाल में मार्च पहुंचेगा। वहां भाकियू प्रवक्ता का जोरदार स्वागत और सम्मान होगा। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री की गिरफ्तारी की मांग। मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र मलिक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय टेनी की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन का सबसे भयावह और दुखद पहलू तब था, जब लखीमपुर खीरी में प्रदर्शन कर रहे किसानों को गाड़ी से कुचल दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटना पूरी तरह से सुनियोजित थी। इसमें केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय टेनी पर संयुक्त किसान मोर्चा ने लगातार आरोप लगाया था कि वह घटना में शामिल रहे थे। मोर्चा ने टेनी की गिरफ्तारी की मांग की थी। संबंधित थाने में किसानों ने रिपोर्ट दर्ज करने के लिए शिकायत दी थी। उन्होंने सवाल किया कि घटना के आरोपी के साथ सरकार कैसे खड़ी हो सकती है। लिहाजा सरकार को आरोपी अजय टेनी के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

कनॉट प्लेस अब दुनिया का 17वां सबसे महंगा ऑफिस मार्केट : जेएलएल ने बताया दुनिया का हाल

नई दिल्ली ब्यूरो : कनॉट प्लेस अपनी रैंकिंग में सुधार करते हुए अब दुनिया का 17वां सबसे महंगा ऑफिस मार्केट बन गया। गत वर्ष ये 25वां सबसे महंगा ऑफिस मार्केट था। प्रॉपर्टी कंसलटेंट जेएलएल के मुताबिक यहां प्रति वर्ग फुट स्थान की ऑक्यूपेंसी के लिए सालाना 109 यूएस डॉलर तक चुकाने पड़ सकते हैं। इस लागत में अन्य घटक भी शामिल हैं। प्रीमियम ऑफिस रेंट ट्रेकर (पोर्ट) रिपार्ट में जेएलएल ने कहा है कि न्यूयॉर्क का मिडटाउन और हांगकांग–सेंट्रल दुनिया के सबसे महंगे ऑफिस स्पेस वाले स्थान हैं। ये दोनों दुनियाभर में पहले पायदान पर हैं। यहां पर एक वर्ग फुट ऑफिस स्पेस के लिए आपको सालाना 261 यूएस डॉलर चुकाने पड़ेंगे। वहीं बीजिंग–फाइनेंस स्ट्रीट, लंदन–वेस्ट एंड और सिलिकॉन वैली इस मामले वैश्विक सूची में टॉप फाइव में शामिल हैं। इस सूची में एशिया प्रशांत क्षेत्र दस प्रमुख ऑफिस मार्केट में छठे स्थान पर है। अगर दिल्ली के दिल कनॉट प्लेस की बात करें तो कई शानदार इमारतें हैं और देश का सबसे महंगा ऑफिस मार्केट है। यानी यहां ऑफिस लेने के लिए आपको सबसे ज्यादा राशि चुकानी होगी। जेएलएल इंडिया की ओर से जारी बयान के अनुसार कनॉट प्लेस ने पिछले साल की अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और अब ये 17वें पायदान पर है। यहां एक वर्ग फुट स्पेस के लिए आपको 109 डॉलर चुकाने पड़ेंगे जो सान फ्रांसिस्को से भी ज्यादा है। इस रिपोर्ट में दुनिया के 112 शहरों के 127 ऑफिस मार्केट को शामिल किया गया है। इसके मुताबिक मुंबई का बांद्रा–कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) 102 यूएस डॉलर प्रति वर्ग फुट लागत के साथ

देश में दूसरा सबसे महंगा ऑफिस मार्केट है। अपनी रैंक में गिरावट के साथ ये 23वें स्थान पर है। वहीं 58 यूएस डॉलर प्रति वर्ग फुट लागत के साथ मुंबई का सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट (सीबीडी) 63वें स्थान पर है। बेंगलुरु में एक वर्ग फुट ऑफिस स्पेस के लिए आपको सालाना 51 यूएस डॉलर चुकाने होंगे लेकिन ये शहर पिछले साल के मुकाबले 74 से खिसककर 77वें स्थान पर पहुंच गया है। दिल्ली एनसीआर का गुरुग्राम 91वें स्थान से खिसककर 83वें स्थान पर पहुंच गया है। यहां फिलहाल एक वर्ग फुट ऑफिस स्पेस की लागत 44 यूएस डॉलर है जो गत वर्ष 48 यूएस डॉलर थी। इन सबसे अलग चेन्नई में एक वर्ग फुट के लिए आपको 21 यूएस डॉलर प्रति वर्ष चुकाने पड़ सकते हैं। ये दुनिया भर में चौथा सबसे किफायती ऑफिस मार्केट है।

तुलसी जन्मभूमि सूकर खेत गोंडा में गोस्वामी तुलसीदास विश्वविद्यालय के नामकरण की मांग

आर एल पाण्डेय लखनऊ। श्री तुलसी जन्मभूमि न्यास एवं सनातन धर्म परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर स्वामी भगवदाचार्य जी महाराज ने यूपी प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार गोण्डा के सूकरखेत स्थित गोस्वामी तुलसीदास जी की जन्मभूमि राजापुर गांव के निकट राज्य स्तरीय विश्व विद्यालय की स्थापना करने जा रही है। सरकार द्वारा विश्व विद्यालय के लिए जमीन भी अधिग्रहण की जा चुकी है। गोस्वामी तुलसीदास के नाम पर विश्व विद्यालय का नाम रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास के नाम से होना चाहिए क्योंकि विश्व विद्यालय के लिए प्रस्तावित भूमि परिसर के पास ही गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म स्थान है। इसलिए उनके नाम पर विश्व विद्यालय का नाम होना बहुत समीचीन होगा। गोस्वामी तुलसीदास विश्व के महान कवियों में एक हैं। उनका रामचरितमानस झोपड़ी से लेकर महलो में भी लोकप्रिय है। अभी हाल में महापुरूषों के नाम पर राज्य सरकार द्वारा कुछ विश्व विद्यालयों का नामकरण किया गया है: सहारनपुर में माँ शाकंभरी विश्व विद्यालय, अलीगढ़ में राजा महेन्द्र सिंह विश्व विद्यालय, गोरखपुर में गुरु गोरखनाथ आयुष विश्व

विद्यालय तथा आजमगढ़ में महाराजा सुहेल देव विश्व विद्यालय का नामकरण किया गया है। अतएव माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी से सादर अनुरोध है कि उनके द्वारा भारतीय संस्कृति के संरक्षक तुलसीदास के नाम पर ''गोस्वामी तुलसीदास विश्व विद्यालय का नामकरण किया जाना अति उत्तम होगा। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार वीर विक्रम बहादुर मिश्र, डॉक्टर अरुणेंद्र चंद्र त्रिपाठी, राम सागर शुक्ला, अजय कुमार निगम, डॉक्टर करुणा शंकर द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

संकल्प हमारा सुझाव आपका : सपा सरकार में आतंकियों के मुकदमे वापस होते थे, आज प्रदेश में घुसने की हिम्मत नहीं –सीएम योगी

लखनऊ ब्यूरो : पहले आतंकवादियों के मुकदमे वापस होते थे उन्हें सुरक्षा दी जाती थी। आज यही माफिया मारे–मारे फिर रहे हैं कोई आतंकी प्रदेश में घुस नहीं सकता। पहले नौकरी निकलते ही महाभारत काल दिखने लगता था। एक ही परिवार के चाचा–भतीजा, काका–काकी, मामा–मामी सभी वसूली के लिए निकल पड़ते थे। नियुक्तियों में किस तरह जातिवाद–भाई भतीजा वाद होता था। वर्ष 2015 की सपा सरकार में डिप्टी कलेक्टर का रिजल्ट निकलता है तो आपने देखा होगा कि 86 में से 56 लोगों के नाम एक ही विशेष जाति के आ जाते हैं। अखिलेश यादव की सपा सरकार पर हमलावर होते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि फर्क साफ है केवल हमारी सरकार बदली है यह प्रदेश वही है। आज बिना भेदभाव के नियुक्तियां हो रही हैं। केन्द्र की लगभग 50 योजनाओं में प्रदेश नम्बर एक पर है। आगे आने वाले समय में आपके सहयोग से इसे देश की नम्बर एक अर्थव्यवस्था बनाना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी नम्बर एक अभियान में सुझाव आपका संकल्प हमारा कार्यक्रम में आकांक्षा पेटी लांच किया। 2022 के विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रदेश के गांव व शहरी क्षेत्रों के तीस हजार स्थानों पर आंकाक्षा पेटी रखेगी। जिसके जनता के आए सुझावों से संकल्प पत्र तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के चुनाव में भाजपा ने विधानसभा चुनाव के संकल्प पत्र को जारी किया था। हमने घोषणा पत्र से हटकर संकल्प पत्र जारी किया था। संकल्प वही जिसका कोई विकल्प नहीं। घोषणाएं सभी करते हैं लेकिन अपने आप ही कालातीत हो जाती है। संकल्प वही है जिसे हम मंत्र मानते हुए अपने जीवन का हिस्सा मानते हुए उसे लागू करते हैं। संकल्प लोककल्याण का माध्यम है। संकल्प व्यक्ति के लिए नहीं राष्ट्र के कल्याण के लिए लिया जाता है। संपूर्ण लोक कल्याण के लिए जिस एक पवित्र भाव ही संकल्प है। सरकार के बनने के बाद जो संकल्प हमने जारी किया था उसे जीवन का व्रत मान करके उसे पूरा किया। अब 2022 के लिए सुझाव आपका संकल्प हमारा के साथ हम फिर आए हैं। हमने 100 दिन में अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया था। फिर छह महीने, एक वर्ष और दूसरे वर्ष और तीसरे वर्ष और चौथे वर्ष और फिर साढ़े चार वर्ष में अपना रिपोर्ट जारी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी पांच वर्ष की सरकार में एक करोड़ 71 लाख नौजवानों को रोजगार मिला है। प्रदेश में बड़े निवेश के कारण ढेर सारे रोजगार के रास्ते खुल चुके हैं। जहां विकास का कोई काम नहीं होता था वही प्रदेश सबसे ज्यादा एक्सप्रेस वे बना रहा है। मेडिकल कालेज बना रहा है। वाटर जलमार्ग तैयार कर रहा है। एयरपोर्ट बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश वही है संसाधन वही हैं। केवल सरकार बदली है और लोगों की सोच बदल गई। हमने पुलिस,

शिक्षक सभी तरह की नियुक्ति की लेकिन कोई विवाद नहीं हुआ। जब सोच ईमानदार होती है तो काम भी दमदार होता है। उन्होंने कहा कि फर्क साफ है। पहले की सरकारें किसानों पर गोली चलाती थीं। हमने पिछली सरकारों की गलत नीतियों के कारण कर्ज के बोझ से दबे किसानों के लिए फसल ऋण माफी की घोषणा की थी। फर्क साफ है पिछली सरकारों के समय में कैसे आस्था के प्रतीकों का अपमान होता था। गो हत्याएं होती थी गोकशी होती थी, दंगे होते थे। हमारी सरकार आई गो कत्लखाने बंद किए गो तस्करी रोकी। गोवंश का संरक्षण किया लगभग सात लाख गायों का संरक्षण किया। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों का दस वर्ष पुराना दाम मिलों के पास बकाया था। हमने प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य किसानों को मिल सके रिकार्ड मात्रा में क्रय केन्दरों की स्थापना किया। दस वर्ष पुराना गन्ना किसानों का एक लाख 84 हजार रुपये का भुगतान कर चुकी है। बंद चीनी मिलों को चालू कराने काम किया गया। कोरोना काल में जहां देश और दुनिया में मिले बंद थी यूपी में 121 मिलों को चलाने का काम किया। पिछली सरकारें चीनी मिलों को बेच रही थी हमने ऐसा नहीं होने दिया। उन्होंने अखिलेश की सपा सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि कानून व्यवस्था पर पिछली सरकारों का रिकार्ड किसी से छुपा नहीं है। पहले मां–बाप को चिंता थी कि बेटी को स्कूल कैसे भेजेंगे। किसानों को चिंता थी कि उनका पशुधन सुरक्षित कैसे रह पाएगा। वर्ष 2017 के बाद बेटी सुरक्षित हुई है। दंगों से मुक्ति मिली है। प्रदेश में धूमधड़ाके के साथ कांवड़ यात्रा निकल रही है। राममंदिर बन रहा है। हर पर्व और त्योहार सौहार्दपूर्ण तरीक से मनाया जा रहा है। कोरोना काल में भी किसी आस्था पर कोई रोक नहीं लगाई गई। प्रधानमंत्री ने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम तैयार होकर राष्ट्र को समर्पित हो गया।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dkulive चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

पुराने गरम कपड़े दान करें शहरवासी – पी0ओ0 डूडा

जौनपुर सू.वि. : परियोजना अधिकारी, डूडा अनिल कुमार वर्मा ने जारी विज्ञप्ति के माध्यम से जौनपुर शहर के सभी नगरवासियों से अनुरोध किया है कि जिस भी व्यक्ति के पास पुराने गरम कपड़े रखे हों और उनके द्वारा इन गरम कपड़ों को उपयोग नही किया जा रहा हैं तो कृपया ऐसे गरम कपड़ों को आप डूडा के शहर मिशन प्रबन्धक जितेन्द्र सिंह के मोबाइल नम्बर 9169236549 पर, सी0ओ0 ऊषा राय के मोबाइल नम्बर 9532468257, सी0ओ0 संदीप चौधरी के मोबाइल नम्बर 9794162155 एवं सी0ओ0 संदीप कुमार सिंह के मोबाइल नम्बर 9506023814 पर फोन कर उन्हें दान करने का कष्ट करें, ताकि आप द्वारा दान किये गये कपड़ों को स्थाई शेल्टर होम मीरपुर तथा नगर पालिका परिषद जौनपुर द्वारा जौनपुर जक्शंन भण्डारी स्टेशन एवं रोडवेज बस अड्डे के पास स्थापित अस्थाई रैन बसेरा में आश्रय लेने वाले शहरी गरीब, असहायों एवं जरूरतमन्दों में गरम कपड़ों का वितरण कर उन्हें इस भीषण ठंड से बचाया जा सके। आपसे प्राप्त पुराने गरम कपड़ों का रख–रखाव एवं वितरण डूडा के उपरोक्त कर्मचारियों द्वारा शहरी गरीब, असहायों एवं जरूरतमन्दों में किया जायेगा।

प्रधानमंत्री शहरी आवास का पैसा प्राप्त करने वाले लाभार्थी जल्द बनवाये अपना आवास–पी0ओ0डूडा

जौनपुर सू.वि. : परियोजना अधिकारी, डूडा अनिल कुमार वर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के तहत आवास निर्माण हेतु पैसा प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को सचेत करते हुए कहा कि ऐसे लाभार्थी जिन्हें उनके आवास की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किस्त की धनराशि प्राप्त हो गई है, और अभी भी उनका आवास अपूर्ण हो तो, कृपया ऐसे लाभार्थी दलालों एवं बिचौलियों से दूरी बनाते हुए आवास हेतु प्राप्त सरकारी धनराशि में अपना लाभार्थी अंशदान 86 हजार शामिल करते हुए राजमिस्त्री की व्यवस्था कर अतिशीघ्र अपने आवास का निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा सरकारी धन का गबन मानते हुए उनके विरूद्ध कठोर कार्यवाही अमल में लाई जायेगी, जिसके जिम्मेदार वे स्वयं होंगे। परियोजना अधिकारी डूडा ने कहा कि जो लाभार्थी प्रथम किस्त की धनराशि प्राप्त कर चुके हैं, वे तत्काल नींव स्तर तक का कार्य का तथा जो लाभार्थी द्वितीय किस्त की धनराशि प्राप्त कर चुके हैं वे भी तत्काल अपना लाभार्थी अंशदान शामिल करते हुए आवास निर्माण का कार्य अतिशीघ्र पूर्ण करायें, ताकि उनके आवास का अन्तिम जियोटैग कराकर उन्हें अन्तिम किस्त की धनराशि जल्द दी जा सके। उन्होंने कहा कि जिन लाभार्थियों के आवास का जियोटैग हो गया हो और उनकी जमीन विवाद रहित है और उन्हें अभी तक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किस्त की धनराशि नही मिली हो, तो ऐसे लाभार्थियों को घबराने की कोई जरूरत नही है। अभी दो दिन पूर्व द्वितीय किस्त के 206 तथा तृतीय व अन्तिम किस्त के 235 लाभार्थियों को आवास की किस्त अवमुक्त करने हेतु उनका डेटा सूडा लखनऊ को प्रेषित किया गया है और जियोटैग के सापेक्ष अवशेष लाभार्थियों को भी आवास की किस्त अवमुक्त करने के लिए उनका डेटा तैयार कराया जा रहा है।

राष्ट्रीष्य प्रतिभा खोज राज्य स्तरीय परीक्षा 2021–22

जौनपुर सू.वि. : प्रधानाचार्या राजकीय बालिका इण्टर कालेज ने अवगत कराया है कि निदेशक मनोविज्ञानशाला उ०प्र०. प्रयागराज के निर्देश के अनुपालन राष्ट्रीय प्रतिभा खोज राज्य स्तरीय परीक्षा 2021–22 दिनांक 16 जनवरी 2022 को प्रदेश के सभी जनपदों में निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित किया जाना है। इस परीक्षा हेतु आनलाइन आवेदन 27 नवम्बर, 2021 से प्रारम्भ है। ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 24 दिसम्बर, 2021 निर्धारित की गयी है। ऑनलाइन आवेदन के अतिरिक्त डाक द्वारा या अन्य किसी माध्यम से आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे। उक्त परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन करने तथा परीक्षा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी वेबसाईट www.entdata.co.in पर उपलब्ध है। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज राज्य स्तरीय परीक्षा 2021–22 में किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र–छात्रायें ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को रू 30 (रू० तीस मात्र) तथा अन्य वर्ग के अभ्यर्थियों को रू 50 (रू0 पचास मात्र) शुल्क के रूप में ऑनलाइन जमा करना होगा। आवेदन करते समय अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तथा चुनौतीग्रस्त श्रेणी के अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रारूप में समक्ष अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य होगा। अन्य पिछडा वर्ग श्रेणी के अन्तर्गत आरक्षण का लाभ उन्हीं अभ्यर्थियों को दिया जायगा जिनके प्रमाण पत्र में अभ्यर्थी के माता–पिता की निरन्तर तीन वर्षों की अवधि के लिए। सकल वार्षिक आय रू० 8,00000 (रू0 आठ लाख मात्र) से अधिक नहीं है या सर्टिफिकेट पर यह उल्लिखित हो कि वह भारत सरकार के अनूसूची कॉलम 3 में उल्लिखित व्यक्तिध सेक्शन (कीमीलेयर) से सम्बन्धित नहीं है। आरक्षण से सम्बन्धित प्रमाण पत्र ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि के पूर्व का निर्गत होना अनिवार्य है। आवेदन पत्र के साथ आरक्षण प्रमाण पत्र अपलोड न करने पर अभ्यर्थी को सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थी के रूप में माना जायेगा।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

जिंदगी में आनें वाली परिस्थितियों से लड़ना है, लाड़ नहीं करना है–

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

राजनीति : हिंदूवादी बन गए राहुल गांधी

पिछले हफ्ते मैं गोवा की चुनाव पूर्व राजनीतिक स्थिति जानने के लिए वहां गया था। वहां मेरी प्रख्यात बुद्धिजीवियों, लेखकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के समूह से बातचीत हुई। इस विषय पर बात करते हुए कि पूरे भारत में कांग्रेस को कैसे पुनर्जीवित किया जाए, ताकि वह 2024 में नरेंद्र मोदी और अमित शाह को सत्ता से बेदखल करने के लिए भाजपा विरोधी गठबंधन का मजबूत सहारा बन सके, मैंने कहा कि 'कांग्रेस को हिंदू समाज का दिल और दिमाग जीतने की जरूरत है, जो कि भारतीय समाज में बहुसंख्यक है।

उसे हिंदू विरोधी और मुस्लिम समर्थक पार्टी होने की अपनी छवि का मुकाबला करने और उसे खत्म करने की जरूरत है। भाजपा और बाकी संघ परिवार के प्रचार तंत्र द्वारा बनाई गई इस छवि ने कांग्रेस को बुरी तरह आहत किया है।' ऐसा भारत के हजारों लोगों का मानना है, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं, जो वर्षों से पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं के बीच इस पर फिर से विचार करने के बहुत से अच्छे कारण मौजूद हैं। वर्ष 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से संघ परिवार ने व्यवस्थित ढंग से और सफलतापूर्वक धर्मनिरपेक्षता को एक हिंदू विरोधी अवधारणा के रूप में ब्रांडेड किया है, जो कांग्रेस पार्टी की मूल धारणा है।

वह भारतीय संविधान की प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्षता (समाजवाद के साथ) को हटाना चाहता है। इसके अलावा, इसका प्रचार तंत्र चालाकी से हिंदुत्व की अपनी विचारधारा को भारतीय राष्ट्रवाद से जोड़ देता है, जो राजनीतिक सत्ता हासिल करने के लिए हिंदू धर्म का घोर दुरुपयोग है। जो भी इसके हिंदुत्व का विरोध करता है, उसे भारत विरोधी के रूप में पेश किया जाता है और इसलिए राष्ट्र विरोधी भी। दुख की बात है कि हिंदू समुदाय का एक बड़ा और मुखर तबका इस दुष्प्रचार का शिकार हो गया है। यह वर्ष 2014 और 2019 में कांग्रेस की हार का एक प्रमुख कारण है।

कांग्रेस नेतृत्व ने आखिरकार कुछ आत्म–सुधारात्मक कदम उठाए हैं। विगत 12 दिसंबर को जयपुर में एक रैली में पार्टी के पूर्व (और संभवतः भावी) अध्यक्ष राहुल गांधी के एक महत्वपूर्ण भाषण से यह स्पष्ट होता है। हिंदुओं और हिंदुत्ववादियों के बीच अंतर बताते हुए उन्होंने कहा कि वह एक हिंदू हैं, जो हिंदुत्व का विरोध करते हैं। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि एक सच्चा हिंदू दूसरे सभी धर्मों का सम्मान करता है, जबकि हिंदुत्व अपने अनुयायियों को नफरत करना सिखाता है और दूसरों के प्रति हिंसक बनाता है।

सच्चा हिंदू 'सत्याग्रह' में विश्वास करता है, जबकि हिंदुत्ववादी 'सत्ताग्रह' में विश्वास करता है। 'भारत में आज जो हिंदुत्व–वादी राज है, वह हिंदुओं का राज नहीं है। हमें हिंदुत्व–वादी राज को हटाना है, और हिंदुओं का राज स्थापित करना है।' राहुल के बयान निश्चित रूप से हिंदू धर्म और धर्मनिरपेक्षता के विषय पर कांग्रेस पार्टी के रुख पर राष्ट्रीय विमर्श को बदल देंगे। दरअसल, कांग्रेस को अपने विरोधियों के दुष्प्रचार का खंडन करने में इतनी देर नहीं लगानी चाहिए थी।

कांग्रेस कार्य समिति ने 16 जनवरी, 1999 को अपनी बैठक में सर्वसम्मति से यह कहते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था कि 'हिंदू धर्म भारत में धर्मनिरपेक्षता का सबसे प्रभावी गारंटर है।' सोनिया गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के एक साल के भीतर यह ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया गया था। दुखद है कि अब इसे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा भी भुला दिया गया है। वर्ष 1999 में सीडब्ल्यूसी द्वारा पारित प्रस्ताव पर कांग्रेस के प्रमुख प्रवक्ता विट्ठलराव गाडगिल का प्रभाव था।

जैसा कि रशीद किदवई की पुस्तक 24, अकबर रोड में उद्धृत किया गया है, एक बार उन्होंने कहा था कि 'मुसलमानों का वोट शेयर मात्र 18 फीसदी है। अगर वे सभी कांग्रेस को वोट दे दें, तो भी कांग्रेस सत्ता में नही आएगी। हम बाकी 82 फीसदी मतदाताओं की भावनाओं की अनदेखी नहीं कर सकते।' अच्छा होगा कि आज के कांग्रेसी नेता गाडगिल की बातों पर ध्यान दें। पार्टी के हिंदू जनाधार के लगातार क्षरण का एक प्रमुख कारण भाजपा नेताओं द्वारा यह दुष्प्रचार था कि कांग्रेस 'मुस्लिम तुष्टिकरण' की राजनीति में लिप्त थी और हिंदू भावनाओं की अनदेखी करके मुसलमानों को 'वोट बैंक' मान रही थी।

यह प्रचार केवल आंशिक रूप से ही सच था। लेकिन यह विशेष रूप से 1980 के दशक के उत्तरार्ध के बाद प्रभावी हो गया, जिसने भारतीय राजनीति पर एक निर्णायक प्रभाव डाला। देर से ही सही, कांग्रेस ने हिंदू मानस पर फिर से दावा करने का फैसला किया है। हालांकि हिंदू मानस में फिर से केंद्रीय स्थान हासिल करने के लिए कांग्रेस को और भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। सबसे पहले, उसे लोगों को यह विश्वास दिलाना होगा कि उसका हिंदू–समर्थक झुकाव भाजपा द्वारा राजनीति के हिंदूकरण की प्रतिक्रिया या उसकी नकल नहीं है, बल्कि, उसके वैचारिक मंथन की वास्तविक अभिव्यक्ति है। दूसरा, उसे जोर देकर कहना चाहिए कि सर्वधर्म समभाव केवल हिंदुओं की जिम्मेदारी नहीं हो सकती।

धर्मनिरपेक्षता, सांप्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता की रक्षा मुसलमानों और ईसाइयों का भी समान कर्तव्य है। हालांकि, हिंदुओं का मन जीतने के प्रयास में कांग्रेस को मुसलमानों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की वैध आकांक्षाओं की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। तीसरा, कांग्रेस को हिंदूवाद में सुधार का समर्थन करना चाहिए, ताकि समानता, सामाजिक न्याय तथा महिला सशक्तीकरण के सिद्धांतों को स्थापित किया जा सके, जो ओबीसी, एससी, एसटी और महिलाओं को गरिमा प्रदान करने के लिए बहुत जरूरी हैं।

चौथा, कांग्रेस को विकास के समाजवादी मार्ग में अपने विश्वास पर जोर देना चाहिए, जो आज के भारत में आर्थिक असमानताओं को कम करने और सभी समुदायों में गरीबी और अन्याय को दूर करने के लिए अनिवार्य है। इसके लिए उसे हिंदू धर्म के भीतर समाजवादी आदर्शों को उजागर करना चाहिए, जो स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी की शिक्षाओं में है। कुल मिलाकर, कांग्रेस को हिंदू धर्म की सर्वोत्तम परंपराओं में अपनी वैचारिक जड़ों को फिर से खोजना होगा, उन्हें प्रतिबद्धता, आत्मविश्वास और कड़ी मेहनत के साथ पुनर्जीवित करना होगा, और अपने कार्यों के जरिये प्रदर्शित करना होगा, न कि केवल शब्दों के साथ।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

बहुजन समाज पार्टी द्वारा विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में आज स्वामी ब्रह्मानंद महाविद्यालय में कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर लखनऊ /कानपुर मंडल के मुख्य सेक्टर प्रभारी भीमराव अंबेडकर सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश ने शाहबाद विधानसभा कमेटी की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं को आगामी 2022 के चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी को भारी बहुमत से जीता कर भेजें जिससे सबसे बड़े उत्तर प्रदेश की पांचवी बार बहन कुमारी मायावती जी को मुख्यमंत्री बनाया जा सके साथ ही बताया कि आपकी विधानसभा में माननीय बहन जी ने एबी सिंह राजपूत जी को अपना आशीर्वाद देकर आपके बीच में भेजा है आप सभी की जिम्मेदारी बनती हैं कि आप सभी लोग एक एक अपना वोट बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी को देकर भारी बहुमत से विजय बनाएं उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा दलितों पर सबसे ज्यादा अत्याचार भाजपा सरकार में हुए हैं और यही नहीं समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी एक ही पहलू के 2 सिक्के हैं और उपस्थित कार्यकर्ताओं से अपील की कि 21 दिसंबर को शाहबाद विधानसभा में एक विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन होगा जिसमें माननीय बहन जी द्वारा निर्देश आप लोगों के समक्ष रखे जाएंगे वही एबी सिंह राजपूत जी को बहुजन समाज पार्टी का सच्चा एवं हितेषी कार्यकर्ता बताते हुए कहां कि इस विधानसभा में ऐसे ही कार्यकर्ता की आवश्यकता थी जो कहीं न कहीं

एबी सिंह आप लोगों के बीच में रहकर आपके साथ सुख दुख में शामिल होकर आपकी बात को ऊपर तक पहुंचाने का काम करेंगे वहीं उपस्थित कार्यक्रम में लखनऊ मंडल के मुख्य सेक्टर प्रभारी राकेश गौतम मुख्य सेक्टर प्रभारी शैलेंद्र गौतम मुख्य सेक्टर प्रभारी रणधीर बहादुर सेक्टर प्रभारी अमर सिंह सेक्टर प्रभारी राम अवतार नगर सेक्टर प्रभारी सुनील शर्मा जिला अध्यक्ष सुरेश चौधरी जिला उपाध्यक्ष माणिक अग्निहोत्री जिला संगठन मंत्री मोहम्मद तय्यब एडवोकेट जिला कोषाध्यक्ष ठाकुर सत्यपाल सिंह जिला सचिव एवं विधानसभा प्रभारी गोपामऊ फूलचंद वर्मा एवं कार्यक्रम के आयोजक एबी सिंह सचिव छोटेलाल विधानसभा अध्यक्ष मित्र पाल महासचिव लालता प्रसाद विधानसभा कोषाध्यक्ष आदित्य कुमार गौतम उपाध्यक्ष कालीचरण राजपूत नगर अध्यक्ष कृष्ण पाल गौतम एवं बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार की संस्था सीएससी ई– गवर्नेंस सर्विजेज इंडिया लिमिटेड द्वारा संचालित

डीकेयू ब्यूरो चीफ गोरखपुर राजनारायण ओझा : सूचना और प्रौद्योगिकी मत्रांलय भारत सरकार की संस्था सीएससी ई–गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड द्बारासंचालित कॉमन सर्विस सेंटरों के माध्यम से विभिन्न लाभार्थी सेवाओं का अभियान चलाकर नागरिकों को पंजीकरण करने के क्रम मे आज प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अन्तर्गत एक बाईक रैली का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ कृषि भवन चरगावा से संयुक्त कृषि निदेशक अधिकारी श्री हरेंद्र कुमार उपाध्याय द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। बाईक रैली करने का उद्देश्य किसान भाइयों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के संबंध मे जागरूक करना है। बताते चलें कि, आयुष्मान भारत, ई–श्रम पंजीकरण, प्रधानमंत्री

ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान, प्रधामंत्री किसान मानधन योजन, प्रधामंत्री व्यापारी मानधन योजन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री सम्माननिधि योजना, आदि का आयोजन किया जाता है।

ग्रेनो में अस्थायी कनेक्शन में धांधली मामले में कार्यवाही : हटाए गए पश्चिमांचल विद्युत निगम के निदेशक राकेश कुमार

लखनऊ ब्यूरो : ग्रेटर नोएडा में एक बड़े बिल्डर को आवासीय योजना के लिए अस्थायी कनेक्शन जारी करने में अनियमितताओं के मामले में आखिरकार पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम मेरठ के निदेशक (तकनीकी) राकेश कुमार को हटा दिया गया है। शासन ने पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी को निदेशक (तकनीकी) पद का कार्यभार दूसरे अधिकारी को सौंपने के निर्देश दिए हैं। बिल्डर को अस्थायी कनेक्शन जारी करने में राकेश कुमार की तत्कालीन अधीक्षण अभियंता के रूप में भूमिका सामने आई है। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक सिन्हा ने बताया कि मामले की जांच पूरी होने तक राकेश कुमार निदेशक (तकनीकी) का कार्यभार नहीं देखेंगे और पश्चिमांचल निगम से संबद्ध रहेंगे। गौरतलब है कि मामले में जिन तत्कालीन छह अभियंताओं के खिलाफ जांच चल रही है, उनमें राकेश कुमार भी शामिल हैं। शुरुआती जांच में कनेक्शन जारी करने में गड़बड़ियों की पुष्टि होने के बाद उन्हें निदेशक (तकनीकी) पद से हटाने का फैसला किया गया है। जबकि मामले में दोषी सभी तत्कालीन छह अभियंताओं को

चार्जशीट दी जा चुकी है। इनमें राकेश कुमार के अलावा तत्कालीन अधिशासी अभियंता लाल सिंह राकेश, प्रभात कुमार सिंह, प्रवीन कुमार, ग्रेटर नोएडा के तत्कालीन उप खंड अधिकारी (एसडीओ) अजय कुमार और तत्कालीन अवर अभियंता अरविंद कुमार शामिल हैं। जल्द ही कुछ और अभियंताओं पर गाज गिर सकती है।

फांसी के सजायाफ्ता चार बंदियों के पैरोल पर हाईकोर्ट सख्त : मुख्य सचिव को जांच के बाद रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश

लखनऊ ब्यूरो : इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कोरोना काल में फांसी के चार सजायाफ्ता बंदियों को तीन बार पैरोल पर छोड़े जाने पर सख्त रुख अख्तियार किया है। हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को जांच करवाने के निर्देश के साथ निजी हलफनामे पर रिपोर्ट तलब की है। साथ ही पूछा है कि प्रदेश में ऐसे कितने बंदी रिहा किए गए, जो उम्रकैद या सात साल से अधिक के सजायाफ्ता हैं? जबकि कोरोना काल के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ सात साल तक के सजायाफ्ता बंदियों को समुचित वक्त के लिए पैरोल या अंतरिम जमानत पर छोड़ने के निर्देश सरकार को दिए थे। अदालत ने सरकार के इस तरीके पर नाखुशी जाहिर की जिसमें लगातार तीन बार फांसी के सजायाफ्ता पैरोल पर छोड़े गए और सुप्रीम कोर्ट के 23 मार्च 2020 के आदेश के दुरुपयोग को लेकर राज्य का कोई प्राधिकारी इस गंभीर नाकामी को रोकने को सतर्क नहीं था। जबकि सुप्रीम कोर्ट का फैसला सिर्फ सात साल तक की सजा पाने वालों को लेकर था। न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति विवेक वर्मा की खंडपीठ ने इस अहम टिप्पणी के साथ सजायाफ्ताओं को सीजेएम फैजाबाद की अदालत के समक्ष तुरंत सरेंडर करने को कहा है। इसमें नाकाम होने पर सीजेएम को उन्हें हिरासत में लेने का निर्देश दिया और 20 दिसंबर को अनुपालन रिपोर्ट तलब की है। कोर्ट ने यह आदेश कृष्ण मुरारी उर्फ मुरली, राघव राम, काशी राम और राम मिलन की फांसी की सजा की पुष्टि के लिए वर्ष 2000 में भेजे गए संदर्भ व अपीलों पर दिया। अपीलों पर सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के 23 मार्च 2020 के आदेश के अनुपालन में इन चारों अपीलकर्ताओं को तीन बार

सरकार ने 60–60 दिन की पैरोल पर रिहा किया। कोर्ट के यह पूछने पर कि फैजाबाद की सत्र अदालत ने 21 दिसंबर 1999 को उन्हें हत्या के जुर्म में फांसी की सजा सुनाई है, वो सुप्रीम कोर्ट के आदेश की मदद से कैसे पैरोल पर छोड़े गए? उनके अधिवक्ता तर्कसंगत जवाब नहीं दे सके। कोर्ट ने मामले का संज्ञान लेकर अगली सुनवाई 20 दिसंबर को नियत की है।

डीएम ने किया करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : जिलाधिकारी सभागार में जिलाधिकारी विजय किरन आनंद ने नवबंर माह की कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में कर करेत्तर, वाणिज्यकर, स्टांप एवं निबंधान, आबकारी, परिवहन, ऊर्जा, नगर विकास, वन विभाग, अलौह खनन, कृषि विपणनध् मंडी समिति हापुड़ व सिंचाई आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई। डीएम विजय किरन आनंद ने कहा कि कर करेत्तर एवं लक्ष्य वसूली में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। लक्ष्य के सापेक्ष विभागीय अधिकारी अपना लक्ष्य पूरा करें। लंबित राजस्व व स्टांप वादों का शीघ्र सुनवाई कर निस्तारण किया जाए। साथ ही आरसी भी जारी की जाए। उन्होंने स्टांप वाद, राजस्व संहिता के अविवादित वरासत, अविवादित दाखिल खारीज, तालाब, आवासीय भूमि, कृषि भूमि, वृक्षारोपण आदि का आवंटन, कुम्हारी कला, चकमार्ग तथा सार्वजनिक उपयोग की भूमि व तालाब पोखरों आदि से हटाये गये अतिक्रमण एवं अवैध कब्जे पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली का लक्ष्य शतप्रतिशत पूरा किया जाये। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों का निस्तारण, रिट

याचिकायें, खतौनी अंश निर्धारण की कार्यवाही, स्वामित्व योजना, रोस्टर के अनुसार खतौनियों का दाखिला, एंटी भू माफिया जैसे कार्यों पर अब तक किये गये कार्यों की प्रगति को बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने मासिक लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ति के संबंध में वाणिज्य कर, स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन, आबकारी, परिवहन, ऊर्जा विभाग, नगर विकास, वन विभाग, खनन आदि विभागों को निर्धारित समय में राजस्व की वसूली का कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ इंद्रजीत सिंह एडीएम वित्त राजेश कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

8.84 लाख पंचायत प्रतिनिधियों पर आज सौगातों की बरसात : सीएम योगी करेंगे एलान

लखनऊ ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधानसभा चुनाव से पहले 'यूपी ग्राम उत्कर्ष समारोह' में 8,84,225 त्रिस्तरीय ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों पर सौगातों की आज बारिश करेंगे। वह ग्राम प्रधानों, ब्लाक प्रमुखों, जिला पंचायत अध्यक्षों को प्रतिमाह मिलने वाला मानदेय बढ़ाने के साथ जिला पंचायत सदस्यों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों व ग्राम पंचायत सदस्यों की बैठकों में शामिल होने वाले भत्ते में वृद्धि की भी घोषणा करेंगे। पंचायतों के प्रशासनिक व वित्तीय अधिकार में भी बढ़ोत्तरी के एलान की भी तैयारी है। सरकार निर्वाचित प्रतिनिधियों की मृत्यु पर आश्रितों को दो लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक आर्थिक सहायता भी देगी। 'अमर उजाला' ने 4 दिसंबर के अंक में विधानसभा चुनाव से पहले पंचायत प्रतिनिधियों के मानदेय व अधिकारों में वृद्धि संबंधी प्रस्ताव का खुलासा किया था। अब उन प्रस्तावों पर सहमति हो गई है। मुख्यमंत्री डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पर प्रदेश के सवा लाख पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मेलन में इन सौगातों का एलान करेंगे। सूत्रों ने बताया कि ग्रामप्रधानों, ब्लाक प्रमुखों व जिला पंचायत अध्यक्षों के मानदेय में एक समान 1,500 रुपये प्रतिमाह वृद्धि पर सहमति बनी है। प्रधानों का मानदेय 3,500 रुपये से बढ़कर 5,000 रुपये, क्षेत्र पंचायत प्रमुखों का मानदेय 9,800 रुपये से बढ़कर 11,300 रुपये तथा जिला पंचायत अध्यक्षों का मानदेय 14,000 रुपये से बढ़ाकर 15,500 रुपये किया जाएगा। इसी तरह जिला पंचायत सदस्यों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों को मिलने वाले भत्तों में 500 रुपये प्रति बैठक बढ़ोत्तरी पर सहमति बनी है। जिला पंचायत सदस्यों का प्रति बैठक भत्ता 1000 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये तथा क्षेत्र पंचायत सदस्यों का प्रति बैठक भत्ता 500 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये किया जा रहा है। ग्राम पंचायत सदस्यों को पहली बार प्रति बैठक भत्ता देने का एलान किया जा रहा है। इन्हें प्रति बैठक 100 रुपये भत्ता दिया जाएगा। सदस्य जिला पंचायत व क्षेत्र पंचायत की प्रति बैठक भत्ते की गणना वर्ष में छठ बैठकों तथा सदस्य ग्राम पंचायत की वर्ष में 12 बैठकों के आधार पर की जाएगी। राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत प्रदेश की पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2021–22 में 6600 करोड़ रुपये का प्रावधान है। इसका 10 प्रतिशत 660 करोड़ रुपये होता है। प्रस्तावित बढ़ोत्तरी पर कुछ खर्च इसके दायरे में रखा जाएगा। पद पर रहते मृत्यु तो आश्रित को मदद, पंचायत कल्याण कोष की स्थापना। प्रदेश सरकार त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों की पद पर रहते हुए मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को आर्थिक सहायता देगी। इसके लिए 50 करोड़ रुपये का पंचायत कल्याण कोष स्थापित होगा। ग्राम प्रधान, ब्लाक प्रमुख व जिला पंचायत अध्यक्ष की पद पर रहते हुए मृत्यु होने पर आश्रित को 10 लाख रुपये की सहायता देने की योजना है। सदस्य जिला पंचायत की मृत्यु पर पांच लाख रुपये, सदस्य क्षेत्र पंचायत की मृत्यु पर तीन लाख रुपये और सदस्य ग्राम पंचायत की मृत्यु पर दो लाख रुपये आश्रित को मिलेंगे।वित्तीय अधिकारों में भी वृद्धि। प्रदेश की ग्राम पंचायतों द्वारा प्रतिवर्ष ग्राम सभा की बैठक में अनुमोदन के बाद करीब 37 से 38 लाख कार्य अपनी कार्ययोजना में शामिल किए जाते हैं। पंचायतों की विभिन्न स्तर पर कार्यों की प्रशासनिक, वित्तीय व तकनीकी सीमा दो लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख करने का प्रस्ताव है। जिला पंचायतों के 10 लाख के ऊपर के एस्टीमेट की स्वीकृति शासन स्तर से किए जाने की व्यवस्था है। 10 लाख की सीमा जुलाई, 2015 में तय की गई थी। इस सीमा को बढ़ाकर 25 लाख करने का एलान होगा। वर्तमान में पंचायतें विकास खंड में नामित अभियंता से एस्टीमेट बनवाने व तकनीकी स्वीकृति लेने की कार्यवाही करती हैं। अब विकास खंड में नामित अभियंता के अतिरिक्त पंचायतों द्वारा जिलों में लोक निर्माण, ग्रामीण अभियंत्रण, जिला पंचायत, आवास एवं विकास, सिंचाई, मंडी परिषद, लघु सिंचाई, कृषि, जल निगम के अवर अभियंता व सहायक अभियंता से एस्टीमेट बनवाने व तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करने की कार्यवाही कर सकेंगे।

मृतकों के दो भाइयों का डीएनए सैंपल जांच को भेजा

प्रयागराज ब्यूरो : गोहरी में दलित परिवार की निर्ममता से हत्या के मामले में मृतक के दो भाइयों का डीएनए सैंपल जांच के लिए भेज दिया गया। दोनों को दोपहर में बेली अस्पताल ले जाया गया। जहां उनके रक्त के नमूने लिए गए। फिलहाल पुलिस को रिपोर्ट का इंतजार है। गोहरी कांड में 19 दिन बीत चुके हैं और पुलिस अब तक खुलासा करने की स्थिति में नहीं है। मामले में तीन युवक भले ही जेल भेजे जा चुके हों लेकिन मामले में उनकी संलिप्तिता को लेकर कोई ठोस सबूत पुलिस नहीं जुटा पाई है। जेल भेजे गए तीन और नामजद कराए गए 10 लोगों के साथ ही कुल 14 लोगों का अब तक डीएनए टेस्ट कराया जा चुका है। हालांकि इसके बाद भी हत्यारों का कोई क्लू हासिल करने में पुलिस नाकाम है। जांच में जुटी पुलिस की ओर से मंगलवार को मृतक परिवार के मुखिया के दो भाइयों का डीएनए सैंपल जांच के लिए भेजा

गया। मामले में पुलिस अफसर फिलहाल ज्यादा कुछ बताने को तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि जांच पड़ताल की जा रही है।

रियल इस्टेट कंपनी के दफ्तर में सीबीसीआईडी का छापा

प्रयागराज ब्यूरो : सिविल लाइंस स्थित रियल इस्टेट कंपनी के दफ्तर में सीबीसीआईडी की टीम ने छापा मारा। लखनऊ में दर्ज धोखाधड़ी के मामले की जांच में जुटी टीम शाम को मामले के एक आरोपी को लेकर पहुंची और वहां रखे कंप्यूटर से हार्ड डिस्क, पेनड्राइव बरामद कर अपने साथ ले गई। जिस रियल इस्टेट कंपनी के दफ्तर में छापा मारा गया, उसका एक कार्यालय लखनऊ में भी है। कुछ लोगों ने लखनऊ के जानकीपुरम थाने में इस कंपनी के अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य आरोपों में केस दर्ज कराया था। इस मामले में एक आरोपी अभय कुशवाहाको गिरफ्तार कर जेल भी भेजा गया था। बाद में मामले की जांच सीबीसीआईडी को सौंप दी गई। सीबीसीआईडी की टीम अभय को कस्टडी रिमांड पर लेकर मंगलवार शाम चार बजे के करीब सिविल लाइंस पहुंची और फिर यात्रिक चौराहे के पास स्थित अपार्टमेंट में चल रहे रियल इस्टेट कंपनी के दफ्तर में छापा मारा। फिलहाल यहां कोई नहीं मिला लेकिन टीम ने कंप्यूटर की हार्ड डिस्क और पेन ड्राइव कब्जे में ले ली। इसके बाद टीम आरोपी को लेकर सिविल लाइंस थाने पहुंची और कुछ देर बाद लखनऊ के लिए रवाना हो गई। दरअसल आशंका है कि कंपनी की ओर से बेची गई जमीनों से संबंधित दस्तावेजों की सॉफ्ट कॉपी कंप्यूटर के हार्ड डिस्क में मौजूद हैं और इसी को देखते हुए सीबीसीआईडी ने इसे कब्जे में लिया है। सिविल लाइंस पुलिस का कहना है कि सीबीसीआईडी की टीम आई थी और तलाशी के बाद चली गई। उन्हें क्या मिला, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत लगभग 356 जोड़ों का विवाह धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार सम्पन्न

जौनपुर सू.वि. : मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत सल्तनत बहादुर इंटर कॉलेज बदलापुर प्रांगण में लगभग 356 जोड़ों का सामूहिक विवाह धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार सम्पन्न हुआ। माननीय सांसद कन्नौज सुब्रत पाठक एवं मा. विधायक बदलापुर रमेश मिश्रा द्वारा विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया गया। कन्नौज के मा० सांसद सुब्रत पाठक को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह् भेंट कर विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने सम्मानित किया। मुख्य अतिथि द्वय शर्मा और पाठक ने मंच पर उपस्थित 21 जोड़ों को अपने हाथ से पुष्प वर्षा कर उपहार भेंट किया। विधान परिषद के सदस्य भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष ए.के शर्मा ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीबों के लिए वरदान साबित हो रहा है। सल्तनत बहादुर इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित दो दिवसीय बदलापुर महोत्सव के पहले दिन मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में कहा कि कन्यादान सबसे बड़ा दान होता है। उन्होंने कहा कि परिणय सूत्र में बंधे जोड़ों तथा उनके परिजनों के चेहरों पर मुस्कान देखकर यह आभास हो रहा है कि भारतीय जनता पार्टी की योजनाएं धरातल पर काम करती है। उन्होंने कहा कि हम सब का साथ सब का विकास के तर्ज पर काम कर रहे हैं। परिणाम यह है कि जन्म से लेकर मृत्यु तक की जिम्मेदारी का निर्वहन सरकार बखूबी कर रही है। श्री शर्मा ने कहा कि विधायक की सोच अद्वितीय ही नहीं सराहनीय भी है। परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का आयोजन करके जनता को यह संदेश देने का काम किया है कि जिन गरीब परिवारों की बहन बेटियों का हांथ धन के अभाव में पीला नहीं हो पा रहा है उनके लिए हमारी सरकार कृत संकल्पित भाव से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक योजना के तहत

परिणय सूत्र में बंधे लगभग 356 जोड़ो को देखकर सरकार का सपना साकार होते दिख रहा है। कन्नौज के सांसद सुब्रत पाठक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार गरीबों मजदूरों की सरकार है। उनके विकास के लिए हमारी सरकार सदैव कृत संकल्पित भाव से काम कर रही है, जिसका परिणाम यह है कि आज समाज के अन्तिम तथा कमजोर तपके के लोगों के होंठो पर मुस्कान है ऐसे कार्यक्रम में लोगो को बढ़चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। समाज के सामर्थ्य लोगों को ऐसे पुनीत कार्यों में मदद करना चाहिए। माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक योजना के तहत विवाह कराने की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने कहा कि मा० मुख्यमंत्री के आशीर्वाद से लगभग 356 लोंगो का घर बस पाया है। उन्होंने कहा कि बेटी बेटे में कोई फर्क नही है, अब बेटियां परिवार के लिए बोझ नही है। गरीब बेटियो के शादी की चिंता सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि कन्यादान से बडा कोई दान नही है। यह बड़ा पुनीत कार्य किया गया है। इस अवसर पर महाराजगंज ब्लॉक प्रमुख पति विनय सिंह, विधायक प्रतिनिधि गंगा प्रसाद सिंह, जिला विकास अधिकारी बीबी सिंह, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी राम दरस यादव, अपर जिला कृषि अधिकारी डॉ रमेश चंद्र यादव, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनील सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला, जिला समन्वयक बबिता सहित अन्य अधिकारी उपस्थिति रहे।

पीयू के दस स्वयंसेवक राष्ट्रीय एकता शिविर पुरुलिया के लिए रवाना : कुलसचिव ने दिखाई हरी झण्डी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के 10 स्वयंसेवकों का दल पुरुलिया,पश्चिम बंगाल के लिए आज रवाना हुआ। कुलसचिव महेंद्र कुमार एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ राकेश कुमार यादव ने विश्वविद्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर इस दल को रवाना किया।इस दल का नेतृत्व डॉ संतोष कुमार पांडेय,कार्यक्रम अधिकारी आर.एस. के.डी.पी.जी कॉलेज जौनपुर कर रहे हैं।यह दल दिनांक 16दिसंबर से 22 दिसंबर 2021 तक जगन्नाथ कॉलेज पुरुलिया, पश्चिम बंगाल में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकीकरण शिविर पूरे प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगा। 05 स्वयंसेवक तथा 05 स्वयंसेविकाओं सहित दस सदस्यीय यह दल उत्तर प्रदेश की सभ्यता एवं संस्कृति का प्रदर्शन इस शिविर में करेगा।कुलपति प्रो. निर्मला एस.मौर्य ने स्वयंसेवकों को इस शिविर में अच्छे प्रदर्शन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं हैं।।कुलसचिव महेंद्र कुमार ने स्वयंसेवकों से कहा कि यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है कि सभी स्वयंसेवक हमारे ही विश्वविद्यालय से चुने गए हैं जो पूरे प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस दल में मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज से अनिकेत सिंह,आस्था यादव, फरीदुल हक मेमोरियल पीजी कॉलेज सबरहद,शाहगंज से आंचल सिंह, राजन यादव, फार्मेसी संस्थान,वि.वि.परिसर से विशाल मौर्य,आर. एस.के डी.पीजी कॉलेज से सुमित सिंह,आरती देवी, टी.डी. महिला महाविद्यालय से कविता चौहान,सल्तनत बहादुर पीजी कॉलेज बदलापुर,जौनपुर से रिया

तिवारी,ओम प्रकाश मिश्र स्मारक पीजी कॉलेज,फुलेश,अजमगढ़ से अरुण यादव सम्मिलित हैं। विश्वविद्यालय कि इस उपलब्धि पर कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राकेश कुमार यादव ने भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, लखनऊ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक कुमार श्रोती एवं राज्य संपर्क अधिकारी,उत्तर प्रदेश शासन,लखनऊ डॉ अंशुमालि शर्मा का राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के सहयोगी शारदा नंद उपाध्याय, कयामुद्दीन खान, सर्वेश यादव तथा मुन्ना रावत सहित आभार व्यक्त किया है।

अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में आलोक के हस्तशिल्प को मिली पहचान : प्रदेश का बढ़ाया गौरव

बस्ती ब्यूरो : गोवा की राजधानी पणजी में आयोजित सातवें अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में उत्तर प्रदेश से बेसिक शिक्षा विभाग में तैनात बस्ती के शिक्षक आलोक शुक्ल की हस्तशिल्प कला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। दस से तेरह दिसंबर तक आयोजित महोत्सव में विभिन्न प्रदेशों से लगभग 131 पारंपरिक शिल्पकारों व कलाकारों ने भाग लिया। शिक्षक आलोक शुक्ल ने बताया कि इस बार कोविड के चलते विदेशी शिल्पकारों ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभाग किया। जबकि देश से अलग-अलग विधाओं में पारंगत राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पारंपरिक शिल्पकारों व कलाकारों ने हिस्सा लिया। आलोक ने अपशिष्ट प्रबंधन, पारंपरिक शिल्प से सजे कम लागत में तैयार होने वाले अखबार की कतरन व गत्ते के टुकड़ों से पर्यावरण के अनुकूल बहु उपयोगी सामग्री बनाकर महोत्सव में पहचान बनाई है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राजीव सिंह की ओर से उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। इसके अलावा गोवा सरकार के पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता प्रबंधन

विभाग ने उनकी सोच व हस्तशिल्प के साथ कार्य में रुचि दिखाई। अपर बेसिक शिक्षा निदेशक ललिता प्रदीप, एएमडी परिवहन निगम सरनीत कौर ब्रोका, डीएम सौम्या अग्रवाल, सीडीओ डॉ. राजेश कुमार प्रजापति, बीएसए जगदीश प्रसाद शुक्ल, डीसी एमडीएम अमित कुमार मिश्र, डीसी स्वच्छ भारत मिशन राजा शेर सिंह ने कहा कि आलोक ने जिला सहित प्रदेश का नाम रोशन किया है।

डॉक्टर अरविन्द मिश्र की अंतरिक्ष कोकिला आदि किताब का यूरोपीय देश रोमानिया में हुआ विमोचन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : बक्शा विकास खण्ड के तेलीतारा गांव निवासी मत्स्य विभाग में उपनिदेशक पद से सेवानिवृत्त विज्ञान कथाकार डॉक्टर अरविन्द मिश्र द्वारा लिखी किताब विज्ञान कथा संग्रह ''अन्तरिक्ष कोकिला एवं अन्य कहानियाँ'' (द स्पेस स्पैरो ऐंड अदर स्टोरीज) का विमोचन यूरोपीय देश रोमानिया में हुआ। सोमवार की रात्रि विमोचन होते ही यह छड़ भारतीय विज्ञान कथा लेखन के लिए एक गौरव का दिन रहा। अरविंद मिश्र एक सुपरिचित भारतीय विज्ञान कथाकार हैं जिन्हें विगत 2019 में चीन में भी आमंत्रित किया गया था। उनके इस नये कथा संग्रह को अब पश्चिमी देशों में स्वागत किया जा रहा है। डॉक्टर मिश्र ने बताया कि बीते 13 दिसंबर की रात्रि आनलाइन डिजिटल प्लेटफार्म डिस्कार्ड पर एक विमोचन समारोह आयोजित हुआ। जिसका लाईव प्रसारण भारतीय समय के अनुसार रात 9.30 बजे हुआ। मिश्र ने अपने इस नये विज्ञान कथा संग्रह में भारतीय संस्कृति मे रची पगी भविष्य का आहट लेने वाली 15 कहानियों को प्रकाशित किया है जिससे पश्चिमी देशों में वैज्ञानिक कहानियों की इस विधा के भारतीय स्वरुप की पहचान बनेगी।

सपा की रैली में जेबकतरों ने किया खाली कई लोगों का जेब : सबसे अधिक कटी पत्रकारों की जेब

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जफराबाद विधानसभा में धर्मापुर में सपा की विजय यात्रा की रैली में जेबकतरो ने कई लोगों का जेब से मोबाइल और नकदी रूपये गायब कर दिए जिसमें सबसे ज्यादा पत्रकारों का जेब खाली हुआ। बता दें कि विजय यात्रा की रैली में भीड़ इतनी ज्यादा थी कि जब विजय रथ आया तो बल्ली तोड़ कर पब्लिक रथ के पास पहुंच गयी पुलिस की पुख्ता ब्यवस्था न होने के कारण पत्रकार भी उसी भीड़ में फस गये जब पत्रकार फोटो खींचने में ब्यस्त हुए तो ठेला ठेली में कई पत्रकारों का मोबाइल और नकद रूपये गायब हो गये पुलिस भीड़ देख भीड़ मे से खिसक ली जिसका फायदा उठा कर चोरों ने कई लोगों का जेब खाली कर दिया। जिसमें मुफ्तीगंज के पत्रकार पंकज सिंह का पर्स सहित 11 हजार रूपये जेब कतरों ने साफ कर दिया पत्रकार संजय दूबे का मोबाइल गायब कर दिए जय हिंद प्रधान धर्मापुर का मोबाइल गायब हो गया ऐसै में कई लोगों का जेबकतरों ने जेबा साफ कर दिया।

ग्राम पंचायत सदस्यता चुनाव में देवरानी जेठानी आमने सामने : नौ वार्ड में हो रहा है चुनाव

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : स्थानीय विकास खंड के देवाकल पुर ग्राम पंचायत सदस्य के चुनाव में वार्ड संख्या एक से पूर्व प्रधान दरशनाथ यादव की भाभी व भयोहू आमने सामने चुनाव लड़ रही है अब देखना है कि प्रधान की भाभी बाजी मारती है की भयोहू बाजी मार रही है देवाकल पुर गांव में दस वार्ड में पर्चा भरा गया था एक वार्ड निर्विरोध हो गया नौ वार्ड में चुनाव होगा जिसमे वार्ड संख्या एक का चुनाव महत्वपूर्ण चुनाव है जो कि एक ही घर के आशा देवी पूर्व प्रधान की भाभी है परमिला देवी भयोहू है।

टेम्पो से धक्का लगने से अधेड़ घायल

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : गौराबादशाहपुर थाना के रामपुर बाजार में टेम्पो के धक्के से अधेड़ घायल हो गया जिसका इलाज मुफ्तीगंज बाजार में एक निजी चिकित्सालय में कराया गया। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी सुबाष राम 50 वर्ष बुद्धवार को सुबह कहीं से पेड़ देख कर आ रहे थे कि रामपुर बाजार में टेम्पो वाला धक्का मार दिया वह बुरी तरह घायल हो गये टेम्पो वाला धक्का मारते हुए फरार हो गया परिवार को मिली सूचना पर परिवार वालों ने उनका इलाज मुफ्तीगंज बाजार में एक निजी चिकित्सालय में कराया।

विधानसभा निर्वाचन– 2022 को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु बैठक संपन्न

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने विधानसभा निर्वाचन– 2022 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के लिए मंगलवार को देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा– निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव से संबंधित सभी प्रकार की तैयारी पूर्ण कर ली जाये,जो भी जिम्मेदारी दी गयी हैं ,ईमानदारी के साथ कर्तव्यों का निर्वहन

करें। जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि शत – प्रतिशत मतदान के लिए स्वीप के तहत जागरूकता कार्यक्रम कराये जाए । जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि व्यय लेखा, प्रशिक्षण, मतपत्र व्यवस्था, डाक मतपत्र, कोविड प्रबंधन, यातायात व्यवस्था आदि के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कार्य योजना तैयार कर कार्य कराया जाए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी एवं उपनिदेशक कृषि को वीडियोग्राफी एवं बेबकास्टिंग के लिए तैयारी कर लेने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग से कोविड प्रबन्ध के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की और समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए । बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनुपम शुक्ला, अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम प्रकाश, अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व रजनीश राय, उपजिलाधिकारी सदर हिमांशु नागपाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नवागत थाना प्रभारी ने संभाला खजनी थाने का कार्यभार

डीकेयू ब्यूरो चीफ गोरखपुर राजनारायण ओझा : गोरखपुर जनपद के दक्षिणांचल में स्थित थाना खजनी के थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडे ने कार्यभार संभाला एक साक्षात्कार मे उन्होंने बताया कि शासन के मंनसा के अनुरूप कार्य करते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने के साथ–साथ क्षेत्र में कानून व्यवस्था कायम रखना ही मेरी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने यह भी बताया कि हर पीड़ित व्यक्ति मुझसे मिलकर अपनी समस्याओं को अवगत कराएगा तो त्वरित कार्रवाई की जाएगी। असामाजिक तत्व वक्से नही जायेगे उनपर मेरी पैनी रहेगी। क्षेत्र मे कहीं भी कानून वयवस्था के साथ खिलवाड किये तो उनके प्रति कठोर कार्रवाई सुनिश्चित किया जाएगा चाहे कोई भी हो।

स्वर्वेद महादेव धाम में पीएम मोदी के भाषण की बड़ी बातें : महात्मा गांधी के जिक्र से पानी बचाने तक का संकल्प

वाराणसी ब्यूरो : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी दौरे के दूसर दिन स्वर्वेद महामंदिर धाम में विहंगम योग के 98वें वार्षिकोत्सव को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने महात्मा गांधी, महाभारत, पानी बचाने, काशी के विकास और आत्मनिर्भर से लेकर कई बातों पर बात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधन में कहा कि कल काशी ने भव्य विश्वनाथ धाम महादेव के चरणों में अर्पित किया, और आज विहंगम योग संस्थान का ये अद्भुत आयोजन हो रहा है। इस दैवीय भूमि पर ईश्वर अपनी अनेक इच्छाओं की पूर्ति के लिए संतों को ही निमित्त बनाता है। महाभारत का किया जिक्र। आज गीता जयंती का पुण्य अवसर है। आज के ही दिन कुरुक्षेत्र की युद्ध की भूमि में जब सेनाएं आमने सामने थीं। तो मानवता को योग, आध्यात्म और परमार्थ का परम ज्ञान मिला था। योग को जन–जन तक पहुंचाने का काम किया। सद्गुरु सदाफलदेव ने समाज के जागरण के लिए विहंगम योग को जन–जन तक पहुंचाने के लिए यज्ञ किया था। आज वो संकल्प बीज हमारे सामने इतने विशाल वट वृक्ष के रूप में खड़ा है। महात्मा गांधी का किया जिक्र। हमारा देश इतना अद्भुत है कि यहां जब भी समय विपरीत होता है, तो कोई न कोई संत–विभूति, समय की धारा को मोड़ने के लिए अवतरित हो जाते हैं। ये भारत ही है, जिसकी आजादी के सबसे बड़े नायक को दुनिया महात्मा बुलाती है। आजादी की लड़ाई में संतों का योगदान। आज देश आजादी की लड़ाई में अपने गुरुओं, संत और तपस्वियों के योगदान को स्मरण कर रहा है। नई पीढ़ी को उनके योगदान से परिचित करा रहा है। मुझे खुशी है कि विहंगम योग संस्थान भी इसमें सक्रिय भूमिका निभा रहा है। बनारस के विकास के बारे में बोले। बनारस जैसे शहरों ने मुश्किल से मुश्किल समय में भी भारत की पहचान, कला, उद्यमिता के बीजों को सहेजकर रखा है। आज जब हम बनारस के विकास की बात करते हैं, तो इससे पूरे भारत के विकास का रोडमैप भी बनता है। रिंग रोड का काम भी काशी ने रिकॉर्ड समय पर पूरा किया है। बनारस आने वाली कई सड़कें भी अब चौड़ी हो गई हैं। जो लोग सड़क के रास्ते बनारस आते हैं, वो सुविधा से कितना फर्क पड़ा है, इसे अच्छे से समझते हैं। गोदौलिया में जो सुंदरीकरण का काम हुआ है, वह देखने योग्य है। मंडुवाडीह में बनारस रेलवे स्टेशन भी देखा। इस स्टेशन का भी अब कायाकल्प हो चुका है। पुरातन को समेटे हुए नवीनता को धारण करना, बनारस देश को नई दिशा दे रहा है। बनारस के विकास का सकारात्मक असर यहां आने वाले पर्यटकों पर भी पड़ रहा है। 2014–15 के मुकाबले में 2019–20 में यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या दोगुनी हो गई है। 2019–20 कोरोना कालखंड में अकेले बाबतपुर एयरपोर्ट से ही 30 लाख से ज्यादा लोगों का आना–जाना हुआ है। स्वाधीनता संग्राम के समय सद्गुरु ने हमें स्वदेशी का मंत्र दिया था। आज उसी भाव में देश ने अब 'आत्मनिर्भर भारत मिशन' शुरू किया है। आज देश के स्थानीय व्यापार–रोजगार, उत्पादों को ताकत दी जा रही है, लोकल को ग्लोबल बनाया जा रहा है। गाय केवल दूध का स्त्रोत ही नहीं। हमारा गौ–धन हमारे किसानों के लिए केवल दूध का ही स्रोत न रहे, बल्कि हमारी कोशिश है कि गौवंश प्रगति के अन्य आयामों में भी मदद करे। आज देश गोबरधन योजना के जरिए बायो–फ्यूल और ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा दे रहा है। पीम मोदी ने कहा कि आज आप सभी से कुछ संकल्प लेने का आग्रह करना चाहता हूं। ये संकल्प ऐसे होने चाहिए, जिसमें सद्गुरु के संकल्पों की सिद्धि हो और जिसमें देश के मनोरथ भी शामिल हों। ये ऐसे संकल्प हो सकते हैं, जिन्हें अगले दो साल में गति दी जाए, मिलकर पूरा किया जाए। एक संकल्प ये हो सकता है कि हमें बेटी को पढ़ाना है, उसका स्किल डेवलपमेंट भी करना है। अपने परिवार के साथ–साथ जो लोग समाज में जिम्मेदारी उठा सकते हैं, वो एक दो गरीब बेटियों के स्किल डेवलपमेंट की भी जिम्मेदारी उठाएं। एक और संकल्प हो सकता है पानी बचाने को लेकर। हमें अपनी नदियों, मां गंगा को, सभी जल स्रोतों को स्वच्छ रखना है।

संवाद हीनता का सातवां दिन फार्मेसिस्ट आज भी 2 घंटे कार्य बहिष्कार पर फार्मेसिस्ट फेडरेशन ने डीपीए आंदोलन को समर्थन दिया

आर एल पाण्डेय लखनऊ, उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों एवं विभिन्न संस्थानों में कार्यरत अलग–अलग विधाओं के फार्मेसिस्टो के संयुक्त संगठन 'फार्मेसिस्ट फेडरेशन उत्तर प्रदेश' ने डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन के आंदोलन को समर्थन दिया है । फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव, ।महामंत्री अशोक कुमार ने बताया कि आज फार्मेसिस्ट फेडरेशन से जुड़े सभी संघों के पदाधिकारियों की वर्चुअल बैठक की गई, जिसमें सरकार द्वारा फार्मेसिस्टों की मांगों को अनदेखा किए जाने की निंदा की गई और लगातार 7 दिनो से कार्य बहिष्कार के बावजूद सरकार द्वारा कोई वार्ता समाधान ना किये जाने को कर्मचारियों के प्रति अनुचित व्यवहार बताया । फेडरेशन का कहना है कि उत्तर प्रदेश के पशुपालन विभाग, आयुर्वेद एवं यूनानी विभाग, होम्योपैथ विभाग, कारागार विभाग, समाज कल्याण, श्रम, ईएसआई, के जी मेडिकल कॉलेज, सैफई आयुर्विज्ञान संस्थान, पीजीआई आयुर्विज्ञान संस्थान, लोहिया संस्थान, कारागार विभाग एवं संविदा फार्मेसिस्ट संघ ने डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन को समर्थन देने हेतु बैठक में अपनी सहमति दी है । फेडरेशन का कहना है कि अगर सरकार द्वारा मांगे नहीं मानी जाती हैं अथवा कर्मचारियों के विरुद्ध कोई भी प्रतिकूल कार्रवाई की जाती है तो फेडरेशन से जुड़े सभी 12 संघो के हजारो सदस्य आंदोलन में उतर जाएंगे । बैठक में महामंत्री अशोक कुमार, संयोजक के के सचान, वेटनरी संघ के अध्यक्ष पंकज मिश्रा, मंत्री शारिक अली, आयुर्वेद के महामंत्री आनंद सिंह, ईएसआई के अध्यक्ष उदयराज यादव, महामंत्री संजीव मित्तल, समाज कल्याण के अध्यक्ष ए आर कौशल, लोहिया संस्थान में अध्यक्ष अशोक परिहार, पीजीआई के अध्यक्ष दिनेश चंद्र, सैफई से स्थान में अध्यक्ष राजीव यादव, संविदा के अध्यक्ष प्रवीण यादव आदि उपस्थित रहे । वही डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष संदीप बडोला एवं महामंत्री उमेश मिश्रा ने बताया कि आज भी उत्तर प्रदेश में सरकार की संवेदनहीनता के कारण 2 घंटे का कार्य बहिष्कार जारी रहा जो कल भी जारी रहेगा । इसके बाद भी अगर मांगे नहीं मानी जाती है तो फार्मेसिस्ट पूर्ण कार्य बहिष्कार के लिए विवश है लखनऊ शाखा के प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के सभी विभागों के मुखिया को कमर्चारियों की समस्याओं के निराकरण हेतु स्पष्ट आदेश होने के बावजूद आला अधिकारियों द्वारा व प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री की उदासीनता के चलते मरीज लाचार व स्वास्थ्य सेवा बेहाल। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में फार्मासिस्टों की लगातार चल रहे 2 घंटे के कार्यबहिष्कार से अस्पतालों में मरीजों को दवा लेने के लिए घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़

रहा है। दरअसल प्रदेश के फार्मासिस्टों द्वारा लगातार कई दिनों से जारी सांकेतिक व क्रमिक हड़ताल के तहत सरकार द्वारा उनकी वेतन विसंगतियों, पदनाम परिवर्तन, राईट टू प्रेस्क्रिप्शन, कैडर पुनर्गठन, मानक अनुसार अस्पतालों,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों,प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर नियुक्तियों सहित 20 सूत्रीय मांगों पर उदासीनता व अड़ियल रवैया अपनाए जाने के कारण स्वास्थ्य सेवाएं बेपटरी होती जा रही हैं।जो की आगे 17 दिसम्बर से 19 दिसंबर को इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर पूर्ण कार्यबहिष्कार व 20 दिसम्बर से ईमरजेंसी सेवाओं सहित पूर्ण कार्यबहिष्कार के चलते स्वास्थ्य सेवाएं पूर्ण रूप से ठप्प हो सकती हैं जिसे रोकना अब सरकार के हाथों में है। इसी क्रम में डिप्लोमा फार्मसिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के फार्मासिस्टों ने प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में अपनी 20 सूत्रीय मांगों के सापेक्ष उत्तर प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य मंत्रि द्वारा अड़ियल रवैया अपनाए जाने के विरोध में आज आंदोलन के 12वें दिन भी 2 घंटे का बहिष्कार व जोरदार प्रदर्शन कर विरोध प्रदर्शन किया गया।प्रदेश अध्यक्ष संदीप बडोला के नेतृत्व में बलरामपुर चिकित्सालय में प्रान्तीय कोषाध्यक्ष अजय पाण्डेय,डी पी ए जनपद शाखा लखनऊ अध्यक्ष अरुण अवस्थी,कार्यकारी अध्यक्ष कपिल वर्मा,राजेश वरुण, व बलरामपुर अस्पताल में तैनात प्रदेश संरक्षक के के सचान व,पूर्व महामंत्री श्रवण सचान,पूर्व प्रान्तीय कोषाध्यक्ष रजत यादव,सुभाष श्रीवास्तव, संजय कनौजिया,संयुक्त मंत्री विवेक श्रीवास्तव, संप्रेक्षक जितेंद्र कुमार,पंकज रस्तोगी,निशा तिवारी,मंजुलता,सुनीता सचान,संगीता वर्मा,सुनीता यादव,महेंद्र यादव,अब्दुल रहमान,निशा तिवारी,आर पी सिंह,दयाशंकर त्यागी, डी के श्रीवास्तव व अन्य सभी साथियों ने सुबह 8 बजे से 10 बजे तक 2 घंटे के कार्यबहिष्कार की कमान संभाली। डी पी ए जनपद लखनऊ संगठन मंत्री अविनाश सिंह के नेतृत्व में सी एच सी गोसाईं गंज में हनुमान प्रसाद वर्मा,अकील अंसारी,आर बी मौर्या, राम सुमित्र पटेल,अखिलेश ओझा,अतुल श्रीवास्तव, कन्हैयालाल, व जनपद लखनऊ कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर श्रीवास्तव,जोरदार प्रदर्शन व 2 घण्टे कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया। सिविल अस्पताल में डी पी ए उत्तर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुनील यादव के नेतृत्व में,रजनीश पांडेय,जी सी दुबे,ओ पी पटेल,श्रवण चौधरी, सलिल श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव,सुधाकर शर्मा,रंजीत गुप्ता आदि साथियों ने कमान संभाली। लोकबंधु अस्पताल में सी एल शांति के नेतृत्व में,मोहम्मद अजमल,सरोज सिंह,संजुलता श्रीवास्तव,गिरिजेश यादव,प्रतिभा पटेल,मालिहाबाद सी एच सी से कमलेश वर्मा,सी एच सी सरोजनी नगर में जनपद लखनऊ वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर बी मौर्या के नेतृत्व में राजेश गौतम,सुनील मिश्रा,कमलकांत वर्मा ,अनिल त्रिपाठी सी एच सी मोहनलालगंज से अनिल सचान के नेतृत्व में अरविंद वर्मा,अनीता अवस्थी,विकाश शर्मा,रविन्द्र परिहार, आनंद कुशवाहा,सी एच सी इटौंजा से डी पी ए लखनऊ मंत्री अखिल सिंह के नेतृत्व में अशोक गुप्ता,काजी इरसाद सहित सभी फार्मासिस्टों ने जोरदार प्रदर्शन किया डफरिन से जसवंत सिंह के नेतृत्व में,अरविंद तिवारी पवन शर्मा टी बी अस्पताल से रामेंद्र सिंह,राजेश कोहली,कल्पना सचान,जितेंद्र कुमार पटेल सहित सभी फार्मासिस्ट/चीफ फार्मासिस्ट साथियों ने कमान संभाली। साथ ही जनपद लखनऊ के सभी सामु०स्वा०केंद्र व प्रा०स्वा०केंद्रों पर तैनात सभी फार्मासिस्ट/चीफ फार्मासिस्ट साथियों द्वारा 2 घंटे का कार्य बहिष्कार करते हुए जमकर नारेबाजी करते हुए सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। 'डी पी ए जनपद शाखा लखनऊ के कार्यकारी अध्यक्ष कपिल वर्मा द्वारा संवर्ग के सभी फार्मेसिस्ट/चीफ फार्मासिस्ट साथियों द्वारा 12वें दिन भी भारी संख्या में अपने अपने कार्यस्थल पर 2 घंटे का कार्य बहिष्कार करते हुए अपना विरोध दर्ज कराने के लिए सभी साथियों का आभार व्यक्त किया गया।

मिर्जापुर मंडल में भाजपा के सामने प्रदर्शन दोहराने की चुनौती तो अन्य दलों के दमखम की भी होगी अग्निपरीक्षा

लखनऊ ब्यूरो : मिर्जापुर मंडल का सियासी मिजाज कभी एक जैसा नहीं रहा। राजनीतिक दिग्गजों की जन्म एवं कर्मभूमि वाली यह धरती देश के अन्य इलाकों की तरह शुरू में कांग्रेस के साथ चली। पर, वर्ष 1989 के बाद जब कांग्रेस का पराभव हुआ तो लोग अन्य दलों में विकल्प तलाशने लगे। इस बदलाव पर राममंदिर आंदोलन का भी बहुत हद तक प्रभाव रहा। बात 2017 के चुनाव की करें तो मंडल की 12 सीटों में से 9 पर भगवा परचम फहराया। वहीं, दो सीटें भाजपा के सहयोगी अपना दल के खाते में गईं। जबकि एक सीट पर निषाद पार्टी का कब्जा है। सरकार के पास मंडल में गिनाने के लिए विंध्य कॉरिडोर, हर घर नल से जल, मेडिकल कॉलेज जैसे विकास कार्य हैं, पर दूसरी ओर पिछड़े और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अपेक्षित विकास नहीं होने का सवाल भी है। बहरहाल सियासी पंडितों का मानना है कि यहां जातिगत समीकरणों को जो साध लेता है, उसी के सिर ताज सजता है। विंध्याचल शक्तिपीठ का अपना आध्यात्मिक महत्व है। अमरकोश की व्याख्या के अनुसार विंध्य शब्द संस्कृत के वैन्ध शब्द से उत्पन्न हुआ, जिसका अर्थ है बाधा डालना या रोकना। कथाओं के अनुसार विंध्य कभी सूर्य का मार्ग रोकते थे, जिससे उनका यह नाम पड़ा। शायद इसी वजह से यहां की मिट्टी की ऐसी तासीर रही कि जिसका साथ दिया उसके साथ मजबूती से खड़े रहे। कई–कई बार आजमाया। विंध्याचल पर्वत का केंद्र जो विधानसभा क्षेत्र के लिहाज से मिर्जापुर के नाम से जाना जाता है, इस सीट पर 1962 में ही जनसंघ का दीपक जलने लगा, जो लगातार जला। पहले भगवान दास, फिर विजय बहादुर और उसके बाद आशाराम जीते। वर्ष 1977 में राजनाथ सिंह यहां से जीते। महज 26 साल की उम्र में उन्हें विधानसभा पहुंचाया। राममंदिर आंदोलन से यहां का मिजाज ऐसा बदला कि 1989 से 1996 तक डॉ. सुरजीत डंग ने कमल खिलाया। अलबत्ता 2002 में सपा के कैलाश चौरसिया यहां साइकिल दौड़ाने में कामयाब हुए थे, पर 2017 में जनता ने उन्हें भी विदा कर दिया और भाजपा के रत्नाकर मिश्रा विधायक बने। चुनार में भी फहराया भगवा परचम। कुर्मी बहुल चुनार सीट पर शुरू में जनता दल के उस समय बेलौस व मुंहफट नेता यदुनाथ सिंह पटेल का ही दबदबा रहा। पर, 1993 में भाजपा के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे ओमप्रकाश सिंह यहां से जीते। ओमप्रकाश लगातार चार बार जीतते रहे, पर 2012 के चुनाव में अखिलेश की उम्मीदों की साइकिल ने उनकी रफ्तार पर ब्रेक लगा दी। हालांकि, पांच साल बाद ही ओमप्रकाश सिंह के पुत्र अनुराग ने पिता की पराजय का बदला लेकर इस सीट पर फिर कमल खिला दिया। पं. कमलापति के परिवार का रहा प्रभाव। वर्ष 2012 में अस्तित्व में आई और नक्सल प्रभावित मड़िहान पहले राजगढ़ विधानभा क्षेत्र का हिस्सा थी। राजगढ़ से कमलापति त्रिपाठी के पुत्र लोकपति त्रिपाठी कई बार विधायक रहे। सीट का नाम बदलकर मड़िहान होने के बाद भी कमलापति त्रिपाठी के परिवार से लोगों का लगाव बना रहा। यह लगाव ही माना जाएगा कि पटेल, कोल, आदिवासी, मौर्य मतदाता बहुल इस सीट पर वर्ष 2012 में हुए पहले चुनाव में भी कमलापति त्रिपाठी का परिवार ही जीता। उनके पौत्र कांग्रेस के ललितेश पति त्रिपाठी ने यहां उम्मीदों की साइकिल की रफ्तार रोक दी। पर, 2017 में चल रही भगवा बयार के सामने कांग्रेस ठहर नहीं पाई। भाजपा के रमाशंकर पटेल ने ललितेश को हरा दिया। दिग्गजों की सीट रही मझवां। कमलापति त्रिपाठी के पुत्र लोकपति त्रिपाठी को अपना विधायक चुन चुकी मझवां सीट लंबे समय तक वीआईपी मानी जाती रही। इसकी बड़ी वजह यहां से चुने गए विधायकों का मंत्री बनना रहा। इनमें लोकपति त्रिपाठी, रुद्र प्रसाद सिंह और बसपा के भागवत पाल शामिल रहे। 1991 में इस सीट का मिजाज बदला। ज्यादातर ने बसपा को पसंद किया। बीच–बीच में कुछ बार भाजपा को आजमाया। 2017 में यहां से शुचिस्मिता मौर्य ने लगातार तीन बार से चुने जा रहे बसपा के डॉ. रमेश चंद्र बिंद को पराजित कर कमल खिलाया। शुचिस्मिता 1996 में यहां से भाजपा से विधायक रहे रामचंद्र मौर्य की बहू हैं। रॉबर्ट्सगंज पर रहा भगवा का प्रभाव। चुनार किले के कथानक पर देवकीनंदन खत्री के उपन्यास में उल्लिखित विजयगढ़ रॉबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र में ही है। दस्यु सरगना घमड़ी प्रसाद यहां विधायक रह चुके हैं। इस सीट पर ब्राह्मण और पिछड़ी जातियों की आबादी के समीकरण से चुनाव का परिणाम तय होता है। शुरुआत में कांग्रेस की प्रभुत्व वाली इस सीट पर 1969 के बाद जनसंघ का दबदबा बढ़ा। विधानसभा के 17 चुनाव में सात बार जनसंघ या भाजपा का झंडा फहराया है। इस समय यहां से भाजपा के भूपेश चौबे विधायक हैं। वहीं, घोरावल सीट 2012 में अस्तित्व में आई। 2012 में यहां साइकिल दौड़ी तो 2017 में कमल खिला। ओबरा सीट भी 2012 में ही अस्तित्व में आई। यह उन दो सीटों में है जो 2017 में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित की गईं। मोदी लहर ने यहां भी कमाल दिखाया। दुद्धी सीट भी अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। 2017 में यहां अपना दल गठबंधन के हरिराम चेरो चुनाव जीते। पर्यटन स्थलों का विकास नहीं। मिर्जापुर जिले में चुनार किला, सिद्धनाथ की दरी, विंढम व टाडा जलप्रपात समेत कई ऐसे पर्यटन स्थल उपलब्ध हैं, जिसके विकास का मुद्दा हर चुनाव में होता है। चुनार का प्रसिद्ध चीनी मिट्टी के बर्तन बनाने का उद्योग भी बंद होने के कगार पर है। स्थानीय राजेश पटेल बताते हैं, परंपरागत तरीके से कांसे के बर्तन बनाने का काम होता था, लेकिन मांग घटने की वजह से यह कारोबार दम तोड़ रहा है। राजेंद्र प्रसाद प्रजापति भी चुनावी चर्चा छिड़ते ही हस्तशिल्प कारोबार की दशा पर राजेश जैसा ही सवाल उठाते हैं। विश्वविद्यालय का सपना अधूरा। मिर्जापुर के ही आकाश यादव कहते हैं, अभी तक विश्वविद्यालय का सपना अधूरा है। सैनिक स्कूल की मांग भी समय–समय पर की जाती रही है। युवा आयुष सिंह का कहना है कि आज भी बेहतर उच्च शिक्षा के लिए लोगों को दूसरे जिले का रुख करना पड़ता है। उम्र गुजार चुके पुल का नहीं मिला विकल्प। प्रमुख जिलों और प्रदेशों से मिर्जापुर को जोड़ने वाला शास्त्री पुल कमजोर हो चुका है। इस पुल में अक्सर समस्या आने पर भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी जाती है। ट्रक कारोबार से जुड़े शैलेश दुबे ने कहा कि परिवहन में रुकावट के चलते यहां खनन और समृद्ध ट्रक कारोबार बड़े पैमाने पर प्रभावित हुआ। सोनभद्र : थोड़ा हुआ, बहुत की है जरूरत। बात सोनभद्र की करें तो कभी खनन उद्योग से हजारों लोगों को रोजगार देने वाला यह जिला सियासतदानों के लिए हमेशा उर्वर रहा। समाजसेवी रमेश सिंह कहते हैं, खनिजों की अकूत संपदा समेटे इस जिले में शिक्षा, सड़क और सबसे जरूरी पेयजल को लेकर हमेशा लोग परेशान रहे हैं। हालांकि, जल जीवन मिशन योजना के तहत गांव–गाव पानी पहुंचाने का काम शुरू होने से लोग कुछ हद तक राहत जरूर महसूस कर रहे हैं। एक मेडिकल कॉलेज खोलकर पूरे जिले की चिकित्सा व्यवस्था को सुधारने की प्रयास जरूर किया गया है। ज्ञानेश्वर श्रीवास्तव बताते हैं कि सुदूर आदिवासी बहुल इलाकों में स्थित अस्पतालों में डॉक्टर और दवाएं नहीं मिलने की समस्या आम है। मुद्दों पर चर्चा के दौरान कृपाशंकर पेयजल की समस्या पर सवाल उठाते हैं। वह कहते हैं, रिहंद जलाशय के चारों तरफ स्थित गांवों में दूषित पेयजल की समस्या है। पानी में फ्लोराइड, आयरन की अधिकता से लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। हर घर नल से जल योजना पूरी हो तभी बदलाव आ सकता है। वहीं, गिरीश पांडेय कहते हैं एनसीएल, एनटीपीसी, हिंडाल्को, तापीय परियोजनाओं जैसे बड़े औद्योगिक संस्थाओं के बावजूद यहां के लोगों को रोजगार की तलाश में पलायन करना पड़ रहा है। भदोही : कारपेट सिटी का तमगा...सड़कें अब भी नहीं बनीं। अखिल भारतीय कालीन निर्माता संघ के अध्यक्ष ओंकार मिश्रा कहते हैं, कारपेट सिटी का तमगा मिलने के बाद भी भदोही को दूसरे जिलों से जोड़ने वाली सड़कें अब भी नहीं बनी हैं। खास कर मंडल मुख्यालय मिर्जापुर से जिले को जोड़ने वाली एक ही सड़क उपलब्ध है, वह भी सिंगल रोड है। ऐसे में रोजाना घंटों जाम लगना नियति बन गई है। इसी तरह स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में भी कोई उल्लेखनीय काम नहीं हुआ। एक 100 बेड का अस्पताल निर्माणाधीन है, जो कई वर्षों बाद भी अधूरा पड़ा है। ओंकार कहते हैं गंगा नदी पर कई पीपे के पुल हैं, जिसे पक्का करने के भी वादे सभी दल के जनप्रतिनिधि करते रहे हैं, लेकिन चुनाव बाद उन्हें यह वादे याद नहीं रहते हैं। वहीं, कैयर मऊ (राजापुर) के गन्ना किसान मोहन सिंह कहते हैं कि करीब डेढ़ दशक से बंद औराई चीनी मिल को पुनः शुरू करने की जरूरत है। सीटों का गणित मिर्जापुर (पांच सीटें) मिर्जापुर नगर : भाजपा के रत्नाकर मिश्र विधायक हैं। इसके पहले सपा के कैलाश चौरसिया 2002 से लगातार तीन बार जीते थे। जातिगत समीकरण : वैश्य करीब 60 हजार, ब्राह्मण 40 हजार, क्षत्रिय 25 हजार, 22 हजार यादव, कायस्थ 20 हजार, मौर्य 15 हजार पटेल व बिंद 10–10 हजार और मुस्लिम 40 हजार। मझवां : भाजपा की शुचिस्मिता मौर्य विधायक हैं। जातिगत समीकरण : ब्राह्मण और बिंद करीब 60–60 हजार, कुशवाहा 30 हजार, क्षत्रिय 20 हजार, पटेल 16 हजार और मुस्लिम 22 हजार। चुनार : भाजपा के अनुराग सिंह विधायक हैं। जातिगत समीकरण : कुर्मी करीब 1. 30 लाख, निषाद, यादव, प्रजापति, लोहार, चौहान, राजभर, रौनियार व बियार करीब एक लाख, ब्राह्मण, क्षत्रिय व कायस्थ करीब 25 हजार, अनुसूचित जाति करीब 50 हजार। मड़िहान : भाजपा के रमाशंकर पटेल विधायक हैं। जातिगत समीकरण : कुर्मी करीब 90 हजार, कोल 40 हजार, मौर्या 27हजार, ब्राह्मण 13 हजार, यादव व सोनकर 10–10 हजार, अनुसूचित जाति 30 हजार और मुस्लिम 14 हजार। छानबे (सु.) : अपना दल (एस) के राहुल प्रकाश विधायक हैं। जातिगत समीकरण : कोल करीब 62 हजार, अन्य अनुसूचित जातियां 55 हजार, ब्राह्मण 58 हजार, बिंद 30 हजार, मौर्य 25 हजार, कुर्मी 20 हजार, मुस्लिम 18 हजार, क्षत्रिय 16 हजार, पाल 15 हजार, कहार, कुम्हार, धोबी, नाई, निषाद आदि 45 हजार। भदोही (तीन सीटें) ज्ञानपुर : 2002 से बाहुबली विजय मिश्र इस सीट से विधायक हैं। मिश्र 2017 में निषाद पार्टी के टिकट से जीते। मिश्र इस समय जेल में बंद हैं। जातिगत समीकरण : ब्राह्मण करीब 75 हजार, बिंद 55 हजार, यादव 45 हजार, मुस्लिम 40 हजार, एससी 40 हजार, क्षत्रिय 20 हजार, पाल 25 हजार, मौर्य 25 हजार एवं अन्य 35 हजार। औराई (सु.) : भाजपा के दीनानाथ भास्कर यहां से विधायक हैं। साल 2012 में औराई सुरक्षित सीट बनी। तब सपा की मधुबाला पासी जीती थीं। जातिगत समीकरण : ब्राह्मण करीब 60 हजार, एससी 50 हजार, मुस्लिम, बिंद और यादव 40–40 हजार, क्षत्रिय 25 हजार, पाल 20 हजार, मौर्य 25 हजार और अन्य 55 हजार। भदोही : भाजपा के रवींद्रनाथ त्रिपाठी विधायक हैं। 2012 में सपा से जाहिद बेग जीते थे। जातिगत समीकरण : ब्राह्मण 70 हजार, मुस्लिम 60 हजार, यादव 55 हजार, बिंद 60 हजार, एससी 55 हजार, क्षत्रिय 25 हजार, पाल 30 हजार, मौर्य 25 हजार एवं अन्य 35 हजार। सोनभद्र (चार सीटें) रॉबर्ट्सगंज : भाजपा के भूपेश चौबे विधायक हैं। 2012 में यहां से सपा के अविनाश कुशवाहा ने जीत दर्ज की थी। जातिगत समीकरण : ब्राह्मण 46 हजार, अनुसूचित जाति 39 हजार, वैश्य 28 हजार, अल्पसंख्यक 20 हजार, यादव 14 हजार, कुर्मी 18 हजार, धांगर 14 हजार, क्षत्रिय 13 हजार, कन्नौजिया 13 हजार, चेरो 6 हजार, बिंद–बियार व गोंड 40 हजार। घोरावल : भाजपा के डॉ. अनिल मौर्य विधायक हैं। 2012 में यह सीट सृजित हुई थी। पहले चुनाव में सपा के रमेश चंद्र दुबे ने तब बसपा से उतरे डॉ. अनिल मौर्य को हराया था। जातिगत समीकरण : कुशवाहा करीब 58 हजार, ब्राह्मण 47 हजार, यादव 23 हजार, कुर्मी 34 हजार, अनुसूचित जाति 40 हजार, वैश्य 30 हजार, बिंद–बियार व चौहान 40 हजार, वैसवार 10 हजार, क्षत्रिय 15 हजार। ओबरा : भाजपा के संजीव गोंड विधायक हैं। यह सीट 2012 में बनी थी। जातिगत समीकरण : यादव करीब 32 हजार, खरवार 24 हजार, वैश्य 20 हजार, कोल 19 हजार, ब्राह्मण 15 हजार, वैसवार 12 हजार, मौर्या, पटेल व विश्वकर्मा 30 हजार, बैगा, चेरो, पनिका 20 हजार। दुद्धी (सु.) : अपना दल के हरिराम चेरो विधायक हैं। इस सीट से गोंड जनजाति के विजय सिंह लगातार सात बार विधायक रहे हैं। जातिगत समीकरण : गोंड करीब 48 हजार, वैश्य 29 हजार, खरवार 25 हजार, ब्राह्मण 20 हजार, चेरो 12 हजार, वैसवार 13 हजार, अनुसूचित जाति 33 हजार, मुस्लिम–यादव 18–18 हजार, अन्य ओबीसी 40 हजार।

आवास विकास ठेके पर देगा कम्युनिटी सेंटर कल्याण मंडप, : बोर्ड ने दी मंजूरी लीज के लिए जारी किए जाएंगे टेंडर

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद अपनी आय बढ़ाने के लिए अब कल्याण मंडप, कम्युनिटी सेंटर और कंवेंशन सेंटर ठेके पर देगा। मंगलवार को प्रमुख सचिव आवास दीपक कुमार की अध्यक्षता में हुई बोर्ड बैठक में संबंधित प्रस्ताव को पास कर दिया गया। इसके अतिरिक्त कई और प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। परिषद के सचिव नीरज शुक्ला ने बताया कि परिषद के सभी कल्याण मंडप, कंवेंशन सेंटर और कम्युनिटी सेंटर लीज पर संचालन के लिए दिए जाएंगे। बोर्ड ने बड़े सेंटर को 10 साल और छोटे को 20 साल के लिए लीज पर देने की सहमति दी है। लीज पर देने के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे। हालांकि किराया तय करने के लिए एक मानक होगा। इसमें ठेकेदार सुविधाओं के आधार पर तय करेगा। पर, जिस कॉलोनी में कल्याण मंडप होगा, वहां के निवासियों को किराये में 25 से 50 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। परिषद कर्मचारियों को भी 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। बैठक में आवास आयुक्त अजय चौहान, उप आवास आयुक्त प्रफुल्ल त्रिपाठी व उपाध्यक्ष आवास विकास बोर्ड अश्वनी त्रिपाठी मौजूद थे। सहायक आवास आयुक्त देश दीपक सिंह ने बताया कि जिन शहरों में आवास विकास परिषद के फ्लैट खाली पड़े हैं और बिक नहीं रहे हैं, वहां कीमतों में 25 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। इसके तहत गाजियाबाद की हिंडन योजना व गंगा यमुना योजना में फ्लैट खरीदने वालों को 20 प्रतिशत, कानपुर की ब्रह्मावर्त योजना में 18 और आगरा की सिकंदरा योजना ग्रीन इंक्लेव में 25 प्रतिशत छूट दी जाएगी। 241 एकड़ और बढ़ेगा अयोध्या योजना का दायरा। आवास विकास परिषद की अयोध्या योजना का दायरा और बढ़ेगा। इसके लिए जिन तीन गांवों की जमीन अधिग्रहित की गई थी, उनमें बरहेटा गांव की 241 एकड़ जमीन और अधिग्रहित होगी। सहायक आवास आयुक्त ने बताया कि अयोध्या योजना अभी 1192 एकड़ है। इसमें बरहेटा गांव की 241 एकड़ जमीन और बढ़ जाएगा। यह जमीन पहले पर्यटन विभाग के लिए छोड़ी गई थी, मगर अब वह लेना नहीं चाहता है। ऐसे में अब परिषद उस जमीन का अधिग्रहण करेगा। अयोध्या योजना में सड़क, पानी की पाइपलाइन और बिजली की लाइन आदि बिछाने के प्लान

को भी पास किया गया है। योजना में 24 से 100 मीटर तक चौड़ी सड़कें बनेंगी। अभी 100 मीटर चौड़ी सड़क किसी योजना में नहीं है। समूह में फ्लैट खरीदने पर 25 तक की छूट। समूह में फ्लैट खरीदने वालों को 15 से 25 प्रतिशत तक की छूट आवास विकास परिषद देगा। यह छूट 31 मार्च 2022 तक ही दी जाएगी। सचिव आवास विकास परिषद नीरज शुक्ला ने बताया कि 25 से 49 फ्लैट एक साथ खरीदने वालों को 15 प्रतिशत और 50 से अधिक फ्लैट खरीदने वालों को 25 की छूट दी जाएगी। इन दागियों पर कार्रवाई को बोर्ड की मंजूरी –सेवानिवृत्त संपत्ति प्रबंधक आरपी श्रीवास्तव की पेंशन में पांच साल तक 10 प्रतिशत की कटौती। –सेवानिवृत्त अधिशासी अभियंता आरपी गुप्ता की ग्रेच्युटी से 2. 67 लाख रुपये की कटौती। –सेवानिवृत्त संपत्ति प्रबंधक डीके शुक्ला के खिलाफ विभागीय जांच। –सेवानिवृत्त कनिष्ठ लिपिक नरेश बाबू की पेंशन से पांच साल तक 5 प्रतिशत की कटौती। –सेवानिवृत्त अवर अभियंता तकनीकी रामचंद्र के खिलाफ विभागीय जांच। इन प्रस्तावों को भी मिली मंजूरी। –गाजियाबाद की सिद्धार्थ विहार योजना, शाकुंभरी विहार योजना सहारनपुर व मंडोला विहार योजना गाजियाबाद में एसएफएस भवनों के आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से नौ प्रतिशत ही ब्याज लिया जाएगा।–उत्तराखंड राज्य में स्थित परिषद की रिक्त संपत्तियों के बारे में आवास आयुक्त निर्णय ले सकेंगे।–वसुंधरा योजना गाजियाबाद में किसानों के बीच चबूतरों का आवंटन लॉटरी से होगा। –वसुंधरा योजना गाजियाबाद के सेक्टर 2ए में 220 केवीए विद्युत उपकेंद्र के लिए चार एकड़ जमीन निःशुल्क दी जाएगी। –जो भूमि स्वामी कोरोना के चलते मानचित्र पास कराने के बाद तय समय में निर्माण नहीं करा सके, उनको नौ महीने का अतिरिक्त समय मिलेगा।

न्यूनतम तापमान पहुंचा सात डिग्री, रात में गलन बढ़ी : पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बारिश की संभावना

वाराणसी ब्यूरो : मौसम का मिजाज अब बदलने लगा है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर दिखाई देने लगा है। ठंडी हवाएं चल रही है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान लगातार लुढ़कता जा रहा है। न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। रात में और सुबह में ठंड अधिक हो गई है। सुबह के समय सड़के सुनसान दिखाई देने लगी हैं। अधिकतम तापमान भी 22.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है। बुधवार की सुबह हल्का कोहरा छाया रहा। कड़ाके की सर्दी का दौर धीरे–धीरे शुरू होने लगा है। सुबह–शाम के समय चलने वाली सर्द हवाएं ठिठुरन बढ़ा रही हैं। हालांकि अभी दिन में धूप खिलने से राहत मिल रही है। मौसम विज्ञानियों की मानें तो आने वाले दिनों में कोहरा बढ़ने की भी संभावना है। मंगलवार को सुबह के समय कोहरा भी छाया रहा। सर्दी के चलते मार्निंग वॉक पर निकलने वालों को गर्म कपड़ों में पूरी तरह शरीर को कवर करके जाना पड़ा। मौसम विभाग ने अगले एक सप्ताह के दौरान ठंडी हवाएं चलने के साथ तापमान में और गिरावट आने की आशंका जताई है। सुबह के समय कोहरा बढ़ने लगा है, जिसके चलते आर्द्रता 81 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इस समय शहर की सड़कों पर सबसे अधिक बिक्री मूंगफली की हो रही है। मौसम विज्ञानी प्रो. एसएन पांडेय ने बताया कि आने वाले समय में तापमान में गिरावट की संभावना है। 16 से 17 दिसंबर को बादलों की आवाजाही रहेगी। वायुमंडल में एक किलोमीटर ऊपर 10 से 15 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रहीं हैं। पश्चिमी विक्षोभ के कारण आने वाले दिनों में बारिश की भी संभावना है।

दुष्कर्म के बाद विवाहिता को जहर देकर फरार हो गया आरोपी : इलाज के दौरान मौत

गोरखपुर ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में एक विवाहिता से दुष्कर्म, फिर सुलह और सुलह के बाद दोबारा दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने पीड़िता को प्रेम जाल में फंसाकर मामले में सुलह करा ली फिर दोबारा दुष्कर्म किया। इसके बाद जहर देकर उसकी हत्या भी कर डाली। मामला जिले के पीपीगंज थाना क्षेत्र का है। यहां एक गांव में सप्ताहभर पहले बेहोश मिली 30 वर्षीय विवाहिता की इलाज के दौरान मंगलवार को मौत हो गई। घरवालों ने गांव के ही एक युवक पर विवाहिता से दुष्कर्म कर जहर खिलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सीओ व एसओ ने परिजनों से घटना की जानकारी ली। महिला मायके आई थी। घरवालों के अनुसार गांव के ही एक युवक ने उसको प्रेमजाल में फंसा लिया था। आरोपी युवक ने महिला को गांव के बाहर मिलने के लिए बुलाया था। वहां उससे दुष्कर्म किया और जहर खिला दिया। महिला अचेत हो गई तो वह खेत में ही छोड़कर भाग गया। जानकारी होने पर सुबह परिजन उसे मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां एक सप्ताह बाद मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। पिता का आरोप है कि बेटी से दुष्कर्म के बाद जहर दिया गया, लेकिन पुलिस ने इस मामले में अब तक केस दर्ज नहीं किया है। इस संबंध में सीओ कैंपियरगंज अजय कुमार सिंह ने बताया कि मामला जानकारी में है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जाएगा। प्रकरण की छानबीन हो रही है। आरोपी ने पहले भी किया था दुष्कर्म। आरोप है कि पीड़िता से शादी से पहले इसी युवक ने दुष्कर्म किया था। तब तहरीर के आधार पर केस दर्ज हुआ था। आरोपी गिरफ्तार भी हुआ था। बाद में युवती की शादी हो गई। शादी के बाद युवती अपने मायके चली आई। इस दौरान जेल से छूटे आरोपी युवक ने मुकदमें में सुलह कर लिया। इस दौरान विवाहिता का प्रेम संबंध आरोपी युवक से हो गया। इस दौरान विवाहिता उक्त युवक से शादी का दबाव बनाने लगी। इसके बाद बीते 7 दिसंबर को आरोपी ने उसे मिलने के लिए बुलाया और दुष्कर्म करने के बाद जहर पिलाकर भाग गया।

रात दस बजे के बाद डीजे बजे तो डायल करें 112, मौके पर पहुंच पुलिस करेगी कार्यवाही

गोरखपुर ब्यूरो : रात दस बजे के बाद या तेज डीजे बजाने पर परेशानी झेलनी पड़ सकती है। एडीजी ने गोरखपुर, बस्ती और देवीपाटन मंडल के सभी जिलों के पुलिस कप्तानों को कोर्ट के आदेश का पालन कराने का आदेश जारी किया है। रात में दस बजे के बाद या कभी भी तेज डीजे बजने पर डायल 112 पर शिकायत की जा सकती है। शिकायत मिलते ही पुलिस को मौके पर पहुंचना होगा और डीजे बंद कराकर उचित कार्रवाई करनी होगी। जानकारी के मुताबिक, शादी के सीजन में रात 10 बजे के बाद भी लोग डीजे बजा रहे हैं। इससे आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है। परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र, सुबह जॉब पर जाने वाले लोगों सहित अन्य की नींद में खलल पड़ती है। डीजे पर डांस करने को लेकर आपस में मारपीट की घटनाएं भी हो जाती हैं। डीजे को लेकर कई शिकायतें एडीजी को मिली हैं, जिसके आधार पर उन्होंने जोन के सभी जिलों के पुलिस प्रमुखों को पत्र भेजकर कार्रवाई का निर्देश दिया है। एडीजी अखिल कुमार जोन की तरफ से जारी निर्देश में कहा गया है कि डीजे बजाने को लेकर जारी गाइडलाइन के बारे में लोगों को भी जानकारी दी जाएगी। डायल 112 और बीट पुलिस अधिकारी मैरिज हाल और लॉन में जाकर लोगों को जागरूक करेंगे। इसके बाद भी यदि कोई शिकायत मिली तो कार्रवाई तय है। डीजे बजाने के लिए नियम तय किया गया है। रात में 10 बजे से लेकर सुबह छह बजे तक डीजे बजाने पर प्रतिबंध है, जबकि अन्य समय में डीजे कितना तेज बजेगा, इसका भी मानक तय किया गया है।

काशी विश्वनाथ धाम जाने का आसानी से मिलेगा रास्ताः शिवभक्तों के लिए 11 भाषाओं में लगाए जाएंगे संकेतक

वाराणसी ब्यूरो : देश की सांस्कृतिक राजधानी काशी के लघु भारत स्वरूप को बाबा विश्वनाथ का धाम नई आभा प्रदान करेगा। विविधता में एकता को समेटे शिव का धाम अब पूरी तरह से श्रद्धालुओं को समर्पित हो चुका है। शिवभक्तों की सुविधा के लिए शहर में प्रवेश से लेकर धाम पहुंचने तक नई व्यवस्था बनाई जा रही है। अब देश भर से काशी आने वाले बाबा के भक्तों को धाम पहुंचने में किसी भी तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। पुराणों के अनुसार भोले भंडारी शिव भक्तों की हर बात समझते हैं और भक्त भी अपनी भाषा में उन तक अपनी प्रार्थना पहुंचाते हैं। इसी को ध्यान में रखकर अब भक्तों की भाषा भक्तों को शिव के धाम आसानी से पहुंचाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धाम के निर्माण के बाद शिवभक्तों को काशी विश्वनाथ धाम पहुंचाने के लिए अब उनकी ही भाषा में संकेतक लगाने के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री के निर्देश के बाद जिला प्रशासन देश की 11 भाषाओं में संकेतक बोर्ड लगाने की तैयारी कर रहा है। इसमें तेलगू, तमिल, कन्नड़, गुजराती, मैथिली, पंजाबी, राजस्थानी, मराठी, उड़िया, कोंकणी और बांग्ला भाषा में संकेतक बोर्ड लगाए जाएंगे। शहर में प्रवेश मार्ग से लेकर बाबा के धाम तक यह संकेतक बोर्ड स्थापित होंगे। इसमें शिव के धाम की पौराणिकता से लेकर दर्शन पूजन तक की विस्तृत जानकारी भी होगी। बता दें कि श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए संपूर्ण भारत के राज्यों से शिवभक्त आते हैं। इसमें सबसे अधिक संख्या दक्षिण भारतीय, मराठी, गुजराती भाषी श्रद्धालुओं की होती है। प्रधानमंत्री ने देर रात गोदौलिया क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान जगह–जगह लगे संकेतकों को देखकर श्रद्धालुओं की सुविधा के अनुसार उनकी भाषा में संकेतक लगाने के निर्देश दिए हैं। धाम से हुई संस्कृत में लोकार्पण शिलापट्ट की शुरूआत अखिल भारतीय संत समिति और श्री काशी विद्वत परिषद की पहल पर देश भर में होने वाले लोकार्पण समारोह के लिए लगने वाले शिलापट्ट पर अब संस्कृत भाषा में भी जानकारियां अंकित की जा रही हैं। इसकी शुरूआत श्री काशी विश्वनाथ धाम से पीएम ने कर दी है। इसके साथ ही अब देश भर में होने वाले शिलान्यास और लोकार्पण के शिलापट्ट पर संस्कृत में जानकारियां दर्ज होंगी।

आज कोर्ट में आरोपी पुलिस वालों की होगी पेशी

गोरखपुर ब्यूरो : कानपुर के कारोबारी मनीष गुप्ता की मौत के मामले में आरोपी पुलिस वालों की बुधवार यानी आज कोर्ट में पेशी होनी है। माना जा रहा है कि सीबीआई की टीम आरोपियों को बी वारंट पर अपने साथ ले जा सकती है। यही वजह है कि सीबीआई टीम मंगलवार को जांच से संबंधित दस्तावेजों को दुरुस्त करने में व्यस्त रही। वहीं, पोस्टमार्टम हाउस के फार्मासिस्ट और स्वीपर से पूछताछ भी की। जानकारी के मुताबिक, मनीष गुप्ता के शरीर पर जो कपड़ा था उसे

स्वीपर ने निकाला था और फार्मासिस्ट वहीं पर मौजूद था। यही वजह है कि सीबीआई ने उनसे पूछताछ कर कई जानकारियां ली हैं। अन्य जानकारियों के लिए सीबीआई ने मंगलवार को उन्हें बुलाया था। इससे पहले सोमवार को सीबीआई ने होटल मालिक से करीब दो घंटे पूछताछ की थी। पोस्टमार्टम करने वाले दोनों डॉक्टरों से करीब तीन घंटे तक पूछताछ करके उनका बयान दर्ज किया था। अब तक की जांच की प्रगति के साथ अन्य पहलुओं को सीबीआई ने दस्तावेजों में शामिल किया। आरोपी पुलिस वालों की पेशी के संबंध में भी जरूरी कागजात तैयार करने में जुटी रही। आज आरोपियों की वीडियो कांफ्रेंसिंग से अदालत में पेशी होगी। माना जा रहा है कि सीबीआई या तो आरोपियों को रिमांड पर लेगी या वारंट बी पर साथ लेकर जा सकती है। यही नहीं न्यायिक हिरासत बढ़ाने की अर्जी भी दे सकती है। उधर, मनीष की पत्नी ने उसके पास मौजूद रुपये और अन्य सामान गायब होने का भी शिकायत दर्ज कराई है। खबर है कि सीबीआई ने इसे भी जांच का हिस्सा बनाया है।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।